卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवहिं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 322 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦मंगलवार ♦3 सितम्बर 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

कार्यकर्ता भाजपा की रीढ़: धामी

भाजपा के संगठन महापर्व का हुआ आगाज

देहरादून (उद संवाददाता)। प्रदेश में मंगलवार को भाजपा के संगठन महापर्व 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' के तहत प्रदेश भाजपा के प्रथम सदस्य के सदस्यता दिलाई। इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी और सतपाल महाराज

का आगाज हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय जनता पार्टी के रूप में सदस्यता ग्रहण की।सीएम को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने ने भी भाजपा की सदस्यता ली। बुधवार को जिला स्तर पर (शेष पृष्ठ सात पर)

पत्रकार पर हमले के मामले में एसएसपी ने लिया एक्शन, एसओजी देहात को किया भंग

देहरादून(उद संवाददाता)। ऋषिकेश में अवैध शराब के कारोबारियों द्वारा पत्रकार योगेश डिमरी पर हमले के मामले में एसएसपी अजय सिंह ने एक्शन लिया है। उन्होंने

ऋषिकेश में शराब तस्करी के मामले में कार्रवाई न करने पर एसओजी देहात को भंग कर दिया है। अब पूरे जिले में एक ही एसओजी काम करेगी। साथ ही कोतवाली ऋषिकेश के दो दर्जन पुलिसकर्मियों का भी यहां से हटाया जायेगा। बता दें पत्रकार योगेश डिमरी लगातार नशे के खिलाफ आवाज उठा रहे थे, जिसके चलते बीते दिनों शराब तस्कर सुनील गंजे ने उन पर हमला कर दिया। जिससे पत्रकार योगेश डिमरी गंभीर घायल हो गए। उन्हें ऋषिकेश एम्स में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों और पत्रकारों ने विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश जाहिर किया जिसके पुलिस हरकत में (शेष पृष्ठ सात पर)

बोरा की गिरफ्तारी की मांग,सरकार का पुतला फूंका

लालकुंआ (उद संवाददाता)। अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन 'ऐपवा', भाकपा माले, किसान महासभा के कार्यकर्ताओं ने कार रोड चौराहे पर प्रदर्शन कर धामी सरकार का पुतला दहन किया और बलात्कार व महिला उत्पीड़न के आरोपी सत्ताधारी पार्टी भाजपा के वरिष्ठ नेता मुकेश बोरा को गिरफ्तार कर जेल भेजने और पीड़ित महिला की सुरक्षा की मांग उठाई । अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन की संयोजक विमला रौथाण ने कहा कि, महिला सुरक्षा कहां से होगी जब भाजपा के नेता खुद ही महिला उत्पीड़न में लिप्त हैं। पहले सल्ट और अब लालकुआं में सत्ताधारी भाजपा के वरिष्ठ नेतागण महिलाओं के उत्पीड़न और बलात्कार में लिप्त पाए गए हैं, यह बेहद घिनौना और शर्मनाक है। इससे पहले भी अंकिता मामले में भाजपा का यही चरित्र सामने आया था। इसने महिला सुरक्षा के उत्तराखंड सरकार के सारे दावों की

हकीकत सामने ला दी है। माले जिला सचिव डा कैलाश पाण्डेय ने कहा कि, उत्तराखण्ड में भाजपा की सरकार बनने के बाद महिलाओं के प्रति अपराधों में भारी बढ़ोत्तरी हुई है, अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद हैं। राज्य की धामी सरकार की उदासीनता और असंवेदनशीलता इसके लिए जिम्मेदार है। महिला सशक्तिकरण और बेटी बचाओ के विज्ञापनों में अरबों रुपए खर्च करने वाली

बालिका के अपहरण का प्रयास,आरोपी दबोचा

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। शहर में बालिका के अपहरण के प्रयास का मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय लोगों ने बालिका का अपहरण करने वाले आरोपी को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है। जानकारी के अनुसार टनकपुर रोड निवासी मोहम्मद वसीम की 9 वर्षीय पुत्री बीती देर शाम मोहल्ले के बच्चों के साथ मोहल्ले में खेल रही थी इसी बीच एक अज्ञात युवक वहां पहुंचा जहां उसने वसीम की पुत्री को गोद में उठाकर ले जाने का प्रयास किया यह देख खेल रहे बच्चों ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग एकत्र हुए और उन्होंने आरोपी (शेष पृष्ठ सात पर)

महिला के गले से लूटी सोने की चेन

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। यहां एक चेन स्नैचिंग की एक और घटना सामने आई है। सड़क पर जा रही बुजुर्ग महिला से सोने की चेन छीन ली गई। महिला के भाई ने मुखानी थाने में तहरीर दी है। बताया कि उनकी बहन की ढाई तोले की सोने की चेन लूट ली गई है। तहरीर केआधार पर पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना मुखानी थाना क्षेत्र में हुई है। मामले में पुलिस को तहरीर सौंपी गई है। कमर सिंह बगड़वाल के अनुसार, उनकी बहन धनुली देनी सुबह 6:20 बजे घर कालिका (शेष पृष्ठ सात पर)

बंगाली समाज ने फूंका विधायक मुन्ना चौहान का पुतला

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। गत दिनों विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा विधायक मुन्ना सिंह चौहान द्वारा बंगाली समाज के लिये दिये बयान से बगाली समाज के भीतर उत्तराखण्ड में काफी नाराजगी है। आज बंगाली समाज द्वारा ट्रांजिट वौम्य मैन बजार में बंगाली कल्याण समिति के महानगर अध्यक्ष मानस बैरागी व उपाध्यक्ष अर्जुन विश्वास के नेतृत्व में भाजपा विधायक मुन्ना सिंह चौहान का पुतला फूंका गया। साथ ही प्रदेश की भाजपा सरकार को कड़ी चेतावनी दी गयी। ऐसे विधायक को पार्टी से तुरन्त निलम्बित किया जाए। साथ ही भाजपा विधायक मुन्ना सिंह चौहान व

उत्तराखण्ड सरकार पूरे बंगाली सामाज से माफी मांगे। ऐसा अशोभनीय असंवैधानिक बयान की पुनरावर्ती नहीं होनी चाहिए। यदि ऐसा पुनः हुआ तो बंगाली समाज चुप नहीं बैठेगा। सरकार के विरूद्ध आदोलन किया जायेगा। पुतला फूंकने वालों में सुशील मंडल, नवीन, शुभम,जतिन मल्लिक, डा गोपाल, दीपक बाला, आसित सरकार, मनी, अभिषेक मंडल, मोनिका ढाली आदि शामिल रहे।

आवश्यकता है
इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में एकाउंट्स का कार्य करने हेतु युवक एवं युवतियों की। टेली की जानकारी आवश्यक।
-संपर्क करें-
8433432291

बम्पर धमाका सेल बम्पर धमाका सेल
हर कम्पनी का माल कम्पनी से कम रेटों पर
1 से 15 सितम्बर 2024 तक
30 % से 50 % तक की भारी छूट
हॉकिन्स, युनाइटिड, प्रेस्टीज एवं पीएनबी के कूकर पर 45% तक विशेष छूट
बोरोसिल,मिल्टन सहित कई कम्पनियों की बोटल्स, कप-प्लेट सहित क्राकरी के सामान पर भारी छूट
हर प्रकार की खरीदारी पर भारी छूट पायें,जल्दी आये और लाभ उठायें
आपके शहर की सबसे पुरानी दुकान 1975 से आपकी सेवा में अब नये पते पर तीन मंजिल शो रूम में पहुंच गई है।
गोल्डन एजेन्सीज
178,सिद्धू पैलेस वाली गली,आवास विकास,रुद्रपुर

अब 'पुलिस महकमे' पर मुख्यमंत्री की नजरें भी हुई 'टेढ़ी'

सूबे में बढ़ते अपराध के ग्राफ से नाराज धामी,मुख्यमंत्री आवास पर प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी किये तलब, राज्य की कानून व्यवस्था की हुई गहन समीक्षा,सभी आला अधिकारियों को मिले मुख्यमंत्री के कड़े निर्देश

-अर्श-

देहरादून / रुद्रपुर। अभी तक सूबे के पुलिस महकमे की मनमर्जी एवं अपराध नियंत्रण के ढुलमुल रवैए से उत्तराखंड की आम जनता, पत्रकार एवं व्यापारी ही त्रस्त थे, मगरअब अपराध नियंत्रण में पुलिस की नाकामी एवं राज्य में तेजी से बढ़ रहे संगीन अपराधों की संख्या ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पेशानी पर भी बल ला दिए हैं। विगत दिनों हरिद्वार में के बड़े ज्वेलरी शॉप में हुई 5 करोड़ के जेवरों की डकैती के बाद, सूबे के मुखिया ने प्रदेश की कानून व्यवस्था की गहन समीक्षा की है और पुलिस विभाग के आलाअधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आवास में शासन के

उच्चाधिकारियों एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस महानिदेशक सहित आयुक्तों, उपपुलिस महानिरीक्षको, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ प्रदेश की कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान सीएम धामी ने पुलिस अधिकारियों को प्रदेश की कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के सख्त निर्देश दिये। प्रदेश में ज्वैलरी दुकान पर डकैती सहित अन्य अपराधों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिये अधिकारियों का आपसी समन्वय बनाने, सूचनाओं के त्वरित संप्रेषण, इंटेलिजेंश व्यवस्था को प्रभावी बनाये जाने,रात्रि पेट्रोलिंग की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने पर ध्यान देने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को किसी भी आपराधिक घटना को यथा समय ब्रिफिंग करने के निर्देश देते हुए ,इसकी जानकारी सूचना महानिदेशक को भी अविलम्ब उपलब्ध कराये जाने को कहा, ताकि घटनाओं की वास्तविक स्थिति मीडिया के माध्यम से आमजन तक पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों (शेष पृष्ठ 7 पर)

मुख्यमंत्री का निर्देश हवा में तो नहीं उड़ा देगी उधम सिंह नगर पुलिस?

रुद्रपुर। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को अपराधिक घटनाक्रम की समय रहते ब्रीफिंग करने एवं सूचना महानिदेशक को भी अपराधिक घटनाक्रम की सूचना देकर मीडिया के माध्यम से वस्तु स्थिति की जानकारी आमजन तक पहुंचना सुनिश्चित करने तथा मीडिया से समन्वय बनाए रखने के निर्देश खास तौर पर दिए। सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को मीडिया से समन्वय बनाए रखने के मुख्यमंत्री के निर्देश (शेष पृष्ठ सात पर)

शराब माफिया सुनील गंजे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

देहरादून/ऋषिकेश।(उद ब्यूरो)। ऋषिकेश में पत्रकार योगेश डिमरी पर शराब माफियाओं ने जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल हुए है। ऋषिकेश एम्स में उनका उपचार किया जा रहा है। वहीं योगेश पर हुए जानलेवा हमले को लेकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ लोगों में भारी अक्रोश है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता गणेश गोदियाल ने ऋषिकेश एम्स में योगेश का हाल जाना एवं एम्स प्रशासन से घायल पत्रकार के समुचित उपचार देने की मांग की। वहीं ऋषिकेश मे पत्रकार से मारपीट की घटना को लेकर पुलिस के उच्चाधिकारियों ने कड़ी कार्यवाही एवं सुरक्षा का अश्वासन दिया है। सोमवार को पुलिस ने ऋषिकेश में पत्रकार पर हमला करने वाले आरोपी कथित शराब माफिया सुनील गंजे को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि आरोपी सुनील की पत्नी से भी पुलिस को तहरीर देकर पत्रकार के साथ चार लोगों पर जबरन घर में घुसने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों पर केस दर्ज कर जांच तेज कर दी है। बता दें बीते रविवार को ऋषिकेश के इंदिरा नगर क्षेत्र में योगेश डिमरी और उनके साथियो के साथ कुछ शराब माफियाओं ने मारपीट कर दी थी। जिसमें पत्रकार बुरी तरह से घायल हो गए उनके साथ मारपीट कर बेसबॉल के डंडे से जानलेवा हमला किया गया। हमले में योगेश डिमरी को गम्भीर चोटें आई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी सुनील कुमार पुत्र लाखन सिंह निवासी

थे। योगेश को आनन-फानन में इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। मामले को लेकर सोमवार को संदीप भंडारी पुत्र दयाल सिंह निवासी मुनीकीरेती ने ऋषिकेश कोतवाली में तहरीर दी है। तहरीर में संदीप ने बताया कि सुनील द्वारा ऋषिकेश को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। इसके साथ ही ऋषिकेश क्षेत्र में शराब तस्करी में लिप्त आरोपियों की कुण्डलियां तैयार की जा रही हैं।ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने अनुसार घटना में अन्य किसी व्यक्ति की संलिप्ता प्रकाश में आने पर उनके विरूद्ध भी कठोर कार्यवाही की जायेगी। मारपीट की घटना में अभियुक्त सुनील गंजे का नाम सामने आया है जो कई बार शराब बेचने के मामले में हिस्ट्रीशीटर भी रह चुका है। वहीं डिजीटल मीडिया के पत्रकार योगेश डिमरी के साथ हुई मारपीट को लेकर मीडियाकर्मियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। हमले के आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की जा रही है। ऋषिकेश पहुंचे पत्रकारों एव क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सरेआम मीडियाकर्मियों पर जानलेवा हमला करना कानून व्यवस्था का खुला उल्लंघन तो है कि समाज मे भी असुरक्षा का वातावरण पैदा होता है। क्षेत्र में अवैध शराब और नशे का कारोबा पर पुलिस प्रशासन को भी संवेदनशीलता से शराब माफियाओं की गुंडागर्दी पर अंकुश लगाने की जरूरत है। मीडिया कर्मियों पर हमले के आरोपियों और शराब माफियाओं को संरक्षण देने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ भी कानूनी कार्यवाही होनी चाहिये।

लोक सेवा आयोग ने जारी किया 14 भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर

देहरादून। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने 14 भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी कर दिया है। इस साल दिसंबर तक इनमें से आठ और अगले साल छह अप्रैल तक छह भर्ती परीक्षाएं होंगी। आयोग ने तीन नई भर्तियों की तिथियां भी जारी की हैं। आयोग के सचिव गिरधारी सिंह रावत के मुताबिक, सचिवालय प्रशासन में अपर निजी सचिव परीक्षा की शुरुआत अक्तूबर से कर दी जाएगी। सचिवालय और आयोग में समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी के पदों पर भर्ती की परीक्षा 12 जनवरी को प्रस्तावित है। राजकीय पॉलिटेक्निक प्रधानाचार्य परीक्षा का आयोजन अगले साल मार्च में होगा। इन तीनों भर्तियों के आयोग जल्द विज्ञापन जारी करेगा। पूर्व से जिन भर्तियों के विज्ञापन जारी हो चुके हैं, उनकी तिथियां भी जारी कर दी गई हैं। भर्ती परीक्षा का नाम एवं तिथि: जीआईसी विभागीय परीक्षा 29 सितंबर सहायक सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा 06 अक्तूबर समीक्षा अधिकारी परीक्षा 26 व 27 अक्तूबर अपर निजी सचिव परीक्षा अक्तूबर से शुरुआत पीसीएस मुख्य परीक्षा 16 से 19 नवंबर ज्येष्ठ वैज्ञानिक सहायक परीक्षा 22 नवंबर पुलिस उपाधीक्षक दूरसंचार परीक्षा 18 दिसंबर समीक्षा, सहा. समीक्षा अधिकारी परीक्षा 12 जनवरी 2025 पॉलिटेक्निक कर्मशाला अधीक्षक परीक्षा 18 व 19 जनवरी पॉलिटेक्निक सिविल, मैकेनिकल प्रवक्ता परीक्षा 22 फरवरी पॉलिटेक्निक हिंदी, अंग्रेजी प्रवक्ता परीक्षा 23 फरवरी पॉलिटेक्निक प्रधानाचार्य परीक्षा मार्च में इंटर कॉलेज प्रवक्ता स्क्रीनिंग परीक्षा 06 अप्रैल पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा- 02 सितंबर से शारीरिक दक्षता, 15 दिसंबर को कांस्टेबल भर्ती, 29 दिसंबर को अग्निशमन द्वितीय अधिकारी परीक्षा।

केदारनाथ से गौरीकुंड के बीच फंसे यात्रियों को किया रेस्क्यू

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग और गौरीकुंड हाईवे पर बारिश से सक्रिय भूस्खलन के कारण अलग-अलग स्थानों पर 400 यात्री फंस गए थे। जिन्हें सकुशल रेस्क्यू कर सोनप्रयाग पहुंचाया गया है। बता दें कि रविवार देर रात से शुरू हुई बारिश सोमवार दोपहर तक रुक-रुककर होती रही। इस दौरान रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच मुनकटिया और गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा, जंगलचट्टी, भीमबली, रामबाड़ा और लिनचोली में भूस्खलन से रास्ता अवरुद्ध हो गया था। इस दौरान केदारनाथ पैदल मार्ग से सोनप्रयाग के लिए निकले 400 यात्री रास्ते में ही फंस गए थे। यात्रियों को देर शाम तक प्रभावित स्थानों से सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह राजवार ने बताया कि मौसम को देखते हुए केदारनाथ से किसी भी यात्री को पैदल मार्ग से नीचे नहीं भेजने के लिए कहा गया था।इसके बाद भी 400 यात्री धाम से सोनप्रयाग के लिए रवाना हो गए। उनके फंसने की जानकारी मिलने पर सुरक्षित पहुंचाया गया है। इधर, सोनप्रयाग से केदारनाथ कोई भी यात्री नहीं भेजा गया।पुलिस प्रशासन ने खराब मौसम को देखते हुए पैदल मार्ग के संवेदनशील स्थानों पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सुरक्षा जवानों को जरूरी निर्देश दिए हैं।सोमवार तड़के से ही केदारघाटी में तेज बारिश हो रही थी। केदारनाथ से लेकर केदारघाटी में दिनभर कोहरा छाया रहने से हेलीकॉप्टर सेवा भी ठप रही। मंगलवार को मौसम ठीक होने पर ही पैदल यात्रा शुरू की जाएगी।

पिथौरागढ़ में मलबा आने से कई मार्ग बंद

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में बारिश ने कहर बरपाया हुआ है। पिथौरागढ़ में हुई मूसलाधार बारिश से कई मार्ग बंद है। पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में रात को आवाजाही न करने की हिदायत दी है। बता दें भारी बारिश के कारण उत्तराखंड में कई जगह से भूस्खलन की घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं पिथौरागढ़ में थल- मुनस्यारी मार्ग हरड़िया के पास बंद है। इसके अलावा जौलजीबी मुनस्यारी मार्ग धिंघरानी, रामगंगा- क्वीटी- मुनस्यारी मार्ग बनिक के पास बंद है। वहीं धारचुला ख गुंजी मारग लखीमपुर के पास बन्द है।फिलहाल सभी मोटर मार्गों को खुलवाने के लिए बीआरओ की टीम कोशिश कर रही है। लेकिन लगातार हो

रही बारिश के कारण पहाड़ों से पत्थर गिर रहे हैं। जिसके चलते मार्ग खोलने को खोलने में समय लग सकता है। पुलिस प्रशासन लगातार यात्रियों से संवेदनशील इलाकों में अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह दे रही है। बता दें मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को देहरादून, चमोली, बागेश्वर, नैनीताल, पिथौरागढ़ जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश होने के आसार हैं। जिसे देखते हुए मौसम वैज्ञानिकों ने येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही संवेदनशील इलाकों में सावधानी बरतने की अपील की है।

नगर निगम देहरादून के 49 वार्डों में बदलाव

देहरादून, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ नगर निगम का परिसीमन हुआ पूरा

देहरादून। आगामी निकाय चुनाव के लिए शासन ने देहरादून, अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ नगर निगम का परिसीमन पूरा कर अधिसूचना जारी कर दी है। नगर निगम देहरादून के 49 वार्डों में बदलाव किया गया। जबकि 51 वार्डों का क्षेत्र यथावत रखा गया। परिसीमन के बाद वार्डों की मतदाता सूची का नये सिरे से अपडेट किया जाएगा। अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ को मिलाकर प्रदेश में नगर निगमों की संख्या अब 11 हो गई है। देहरादून नगर निगम में कुल 100 वार्ड हैं। इसमें कई वार्डों में परिसीमन की शिकायत को लेकर दोबारा से परिसीमन कराया गया। 51 वार्डों में कोई बदलाव नहीं किया गया, जबकि 49 वार्डों में कई मोहल्ले इधर से उधर किए गए। परिसीमन पूरा होने के बाद शहरी विकास विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। हाल ही में अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ को नगर पालिका से नगर निगम बनाया गया। दोनों निगमों के परिसीमन में पूर्व की भांति नगर पालिका क्षेत्र को शामिल किया गया। वर्ष 2022 में नगर निगम देहरादून के वार्डों का परिसीमन हुआ था। इसको लेकर कई पार्षदों ने सवाल उठाए थे। 54 वार्ड ऐसे थे, जिसमें मानक के हिसाब से या तो वोटर कम थे या अधिक थे। इसके बाद शासन ने नगर निगम को पत्र भेजा था, इसमें परिसीमन को लेकर रिपोर्ट भेजने को कहा था। पिछले महीने नगर निगम ने परिसीमन को लेकर सुझाव, आपत्तियों को सुना था। इसके बाद परिसीमन को लेकर अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी थी। इसके बाद शासन ने उसकी अंतिम अधिसूचना जारी कर दी। सचिव शहरी विकास नितेश झा ने बताया कि देहरादून, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ नगर निगम के वार्डों की परिसीमन की अधिसूचना जारी की गई। आठ निगमों का पहले ही परिसीमन की अधिसूचना जारी कर दी गई थी। नगर निगम अधिनियम संशोधन विधेयक प्रवर समिति को सौंपा गया है। देहरादून, अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ नगर निगम में ओबीसी सर्वे परिसीमन की अधिसूचना के बाद किया जाएगा या प्रवर समिति की रिपोर्ट आने के बाद होगा। यह अभी तय नहीं है। शहरी विकास विभाग की ओर से तीन निगमों की परिसीमन की अधिसूचना जारी करने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र भेजा जाएगा। आयोग की ओर से परिसीमन के आधार पर मतदाता सूची को अपडेट किया जाएगा।

उत्तराखंड के इतिहास में लॉ-एन-ऑर्डर अब तक के सबसे बुरे हालात में: रविन्द्र

देहरादून(उद संवाददता)। पूर्व राज्य मंत्री रविंद्र सिंह आनंद ने एक बयान जारी करते हुए प्रदेश के मुखिया पुष्कर सिंह धामी पर आरोप लगाया कि जहां एक और प्रदेश में ऐसी हालत है कि प्रदेश के मुखिया को कोई कठोर कदम उठाने चाहिए और हालातो को कंट्रोल करना चाहिए वह प्रदेश छोड़कर भागने की तैयारी में है। जहां प्रदेश को इस वक्त उनकी जरूरत है वे चुनाव के लिए प्रवास करने जम्मू कश्मीर जा रहे हैं। रविंद्र सिंह आनंद ने आरोप लगाते हुए कहा की इस वक्त भू माफिया ,शराब माफिया, निर्माण माफिया प्रदेश पर हावी है , क्राइम रेट अपने चरम पर है, हर तरह के अपराध में बढ़ोत्तरी हो रही है , हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है, उन्होंने ऋषिकेश में पत्रकार पर हुए जानलेवा हमले का हवाला भी दिया और ऐसे में प्रदेश के मुखिया को प्रदेश की चिंता ना कर चुनाव की चिंता है। जम्मू कश्मीर में चुनाव किस तरह से होंगे और अपनी भागीदारी वहां पर कैसे निभाई जानी है , ऐसे में दिखाई देता है कि प्रदेश के मुखिया को प्रदेश की कितनी चिंता है कि वह प्रदेश को छोड़कर तीन दिन के प्रवास के लिए जम्मू कश्मीर जा रहे हैं ऐसे समय पर जहां उनको अपने मंत्रिमंडल से बात कर बैठक कर इन सब चीजों पर लगाम लगाने की योजनाएं बननी चाहिए इस पर काम करना चाहिए वे यह सब ना कर जम्मू कश्मीर के चुनाव पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। ऐसे में एक आम नागरिक होने के नाते जब हम ही ठगा सा महसूस कर रहे हैं तो इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश की जनता कितना ठगा हुआ महसूस कर रही होगी।

बढ़ते अपराधों और डकैती की घटनाओं पर सीएम ने लगाई फटकार

मुख्यमंत्री धामी ने समीक्षा बैठक में पुलिस के सभी उच्चाधिकारियों को प्रदेश की कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के सख्त निर्देश दिये

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को शासकीय आवास में शासन के उच्चाधिकारियों एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस महानिदेशक सहित आयुक्तों, उपपुलिस महानिरीक्षकों, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के साथ प्रदेश की कानून व्यवस्था की गहनता से समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रदेश की कानून व व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के सख्त निर्देश दिये। प्रदेश में ज्वेलरी दुकानों पर डकैती सहित अन्य अपराधों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिये अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाने, सूचनाओं के त्वरित संप्रेषण, इंटेलिजेंस व्यवस्था को प्रभावी बनाये जाने, रात्रि पेट्रोलिंग की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने पर ध्यान देने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को किसी भी आपराधिक घटना को ससमय ब्रीफिंग किये जाने के निर्देश देते हुए इसकी जानकारी सूचना महानिदेशक को भी अविलम्ब उपलब्ध कराने को कहा, ताकि घटनाओं की वास्तविक स्थिति मीडिया के माध्यम से आमजन तक पहुंचे। उन्होंने महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर नियंत्रण के लिये गौरा शक्ति एप को और अधिक सक्रिय बनाये जाने पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि धर्मातरण, लव जिहाद आदि मामलों में कानून होने के बावजूद इस पर रोक न लगना चिन्ता का विषय है, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अपराध कहां बढ़ रहे हैं और क्यों बढ़ रहे हैं, इस पर

भी चिन्तन की जरूरत बताई। उन्होंने डेमोग्राफिक चेंज की समस्या के समाधान के लिये भी संबंधित सभी एजेंसियों के मध्य समन्वय पर ध्यान देने के भी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड बाहरी प्रदेशों के अपराधियों की शरणगाह न बनें इसके लिये सीमावर्ती क्षेत्रों में निरन्तर सघन चेकिंग अभियान संचालित किया जाए। अपराधियों के मन में पुलिस का भय तथा आमजन का पुलिस के प्रति भरोसा बढ़े यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मदरसों व अन्य शिक्षण संस्थाओं में पढ़ रहे बच्चे राज्य के नागरिक कैसे बनाए जा रहे हैं, इस पर भी ध्यान दें। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार में हुई ज्वेलरी दुकान डकैती के प्रकरण में एसपी सिटी की अध्यक्षता में जांच समिति गठित किये जाने के निर्देश देते हुए कहा कि इस प्रकरण में जो भी जिम्मेदार होगा उसके विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने उत्तराखण्ड को 2025 तक नशा मुक्त प्रदेश बनाने के लिये भी प्रयासरत रहने तथा सामुदायिक पुलिसिंग पर ध्यान देने पर बल दिया।प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण के लिये क्या बेहतर किया जा सकता है इस पर भी चिन्तन किये जाने की जरूरत मुख्यमंत्री ने बतायी। शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा अधीनस्थों के साथ अधिकारियों का सरल व्यवहार व क्षेत्रवाद की भावना से दूर रहने पर भी उन्होंने बल दिया। साइबर क्राईम पर प्रभावी रोकथाम के लिये जन जागरूकता व प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। इस दौरान बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव श्री आर.के.सुधांशु, सचिव श्री शैलेश बगोली, श्री विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी, ए.डी.जी. ए.पी.अंशुमन, आई. जी. के.एस. नगन्याल, विशेष सचिव श्री पराग मधुकर धकाते, श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, अपर सचिव श्रीमती निवेदिता कुकरेती, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस महानिदेशक श्री अभिनव कुमार सहित आयुक्त कुमाऊं व सभी जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदि मौजूद रहे।

तीनों नाबालिग आरोपियों को भेजा जाएगा बाल सुधार गृह

कोरोना काल में छूटी किताबों से बच्चों में बढ़ी मोबाइल की लत, नकारात्मक वीडियो, रील को देखकर बिगड़ रहे बच्चे

सितारगंज(उद संवाददाता)। क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में पढ़ने गई 4 साल की बच्ची से स्कूल के ही तीन नाबालिक छात्रों ने दुष्कर्म का प्रयास किया। चार साल की बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास करने वाले तीनों आरोपी नाबालिग हैं। आरोपियों की मनोविकृति को देखकर हर कोई सोशल मीडिया और मोबाइल पर आने वाली सकारात्मक और नकारात्मक टिप्पणी, वीडियो, रील को लेकर उंगली उठा रहा है। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है कि कोरोना काल के दुखदाई दौर में बच्चों को शिक्षा के प्रति सजग रखने के लिए ऑनलाइन पढ़ाई कराई गई थी। मोबाइल पर ही बच्चों को शिक्षा से संबंधित हर जानकारी साझा की जा रही थी। जिस वजह से मोबाइल बच्चों के हाथ में चिपक कर रह गया है। सोमवार की शाम हुई बच्ची के साथ घटना ने सबको चौका दिया है। हर तरफ यह चर्चा है कि नाबालिग आरोपियों ने आसपास के माहौल में शिक्षा की कमी के साथ ही सोशल मीडिया में ऑनलाइन

घुसकर अपराध का ट्रैक पकड़ा होगा। बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य सुमन राय ने बताया कि बच्चों में बिगड़ी मनोविकृति के पीछे अशिक्षा और मोबाइल का दुरुपयोग बड़ा कारण हो सकता है। बच्चों को मोबाइल की अप्रतिबंध नकारात्मक और सकारात्मक जानकारी से बचाने के लिए विद्यालयों, घरों में किताबों को पढ़ाने का शौक बढ़ाने की मुहिम पर काम कराने की जरूरत सामने आ रही है। 4 साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले आरोपी किशोरों को पुलिस ने तत्काल कारवाई करते हुए संरक्षण में ले लिया है। तीनों आरोपियों को बाल सुधार गृह में भेजा जाएगा। बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य सुमन राय ने बताया कि पीड़ित बालिका उसके परिजनों की आयोग की तरफ से हर संभव मदद की जाएगी।

दुराचार के मामले में हो रही नियमानुसार कार्रवाई : एसएसपी

सितारगंज(उद संवाददाता)। 4 साल की बच्ची के साथ स्कूल परिसर में ही दुष्कर्म के प्रयास के मामले को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर मंजू नाथ टीसी ने दुखद गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने स्कूल के शिक्षकों और परिजनों से वार्ता की। जिसमें सामने आया कि बालिका के स्कूल में ही अध्यनरत कक्षा एक, दो समेत अधिकतम 10 वर्षीय तीन बालकों ने बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। बालिका को काउंसलिंग के लिए भेजा जा रहा है। जबकि तीनों बालकों को पुलिस बाल कल्याण अधिकारी ने किशोर न्यायालय में पेश किया है।

स्कूल में तीन बच्चों ने किया बालिका से दुराचार, केस दर्ज

सितारगंज। उत्तराखंड के सितारगंज में मासूम बच्ची से उसके ही स्कूल के तीन बच्चों द्वारा दुराचार करने का मामला सामने आया है। तीनों आरोपी नाबालिग हैं और उनकी उम्र 9 साल, 11 और 14 वर्ष है। आरोपियों में एक विशेष समुदाय का होने पर बवाल की आशंका को देखते हुए पुलिस ने एहतियातन भारी फोर्स तैनात कर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को संरक्षण में लिया है । सोमवार को एक गांव की महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी चार वर्षीय बेटी के साथ स्कूल में उसी के नाबालिग साथियों ने दुराचार किया। वह पढ़ने के लिए गांव के सरकारी स्कूल चली जाया करती है। सोमवार को भी वह सुबह करीब आठ बजे स्कूल गई थी। दो-तीन घंटे बाद वह रोती हुई घर आ गई। महिला ने जब रोने की वजह पूछी तो उसने बताया कि स्कूल में पढ़ने वाले तीन बच्चों ने उसके निजी अंगों के साथ छेड़खानी की है। इसके बाद महिला ने कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया। वहीं सरकारी स्कूल में हुई इस घटना से विद्यालय प्रबंधन पर भी सवाल खड़े हो रहे है।

महिलाओं समेत नौ के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

काशीपुर(उद संवाददाता)। दहेज उत्पीड़न के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने तहरीर के आधार पर महिलाओं समेत कुल नौ लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत किया है। पहली घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर वार्ड नंबर 24 मोहल्ला अल्ली खां निवासी रेशमा पत्नी मोहम्मद आलम ने बताया कि उसकी शादी को अभी कुछ समय बीते। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि शुरुआत के कुछ दिन ठीक रहे लेकिन इसके बाद पति मोहम्मद आलम, सास बैतूल पत्नी मोहम्मद हुसैन, आदिल पुत्र मोहम्मद हुसैन तथा आफरीन व शायरीन पुत्री मोहम्मद हुसैन ने आपस में एक राय होकर चार पहिया गाड़ी (कार) की खातिर उसे बुरी तरह प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि दहेज के लिए उसे उपरोक्त आरोपियों द्वारा पूर्व में कई बार मौत के घाट उतारने का भी प्रयास किया गया। दहेज के लिए उसे बुरी तरह यातनाएं दी जाती थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी स्त्री धन उपरोक्त आरोपियों ने छीनकर उसे धक्के मार कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने इस मामले में तहरीर के आधार पर सभी पांचों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। वहीं पच्चावाला कुंडेश्वरी निवासी महिला मनदीप कौर पत्नी हरजीत सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पति हरजीत सिंह, सास सिंदर कौर, बेअंत कौर तथा देवर प्रदीप से उसे जान का खतरा है। महिला ने पुलिस को बताया कि पिछले कुछ समय से उपरोक्त चारों आरोपी आपस में एक राय होकर दहेज की खातिर उसकी बुरी तरह उत्पीड़न कर रहे हैं। पुलिस में उपरोक्त विचारों के खिलाफ धारा 498ए 323 504 506 आईपीसी के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया है।

रास्ते में जबरन रोकने पर भड़के फैक्ट्री श्रमिक

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सिडकुल स्थित डॉल्फिन फैक्ट्री के सैकड़ो श्रमिकों ने पारले चौक पर कुछ लोगों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की जो उन्हें प्रातः ड्यूटी के लिए फैक्ट्री आने के दौरान सिडकुल आने के मार्गों पर जबरन रोक कर फैक्ट्री काम करने जाने के स्थान पर कुछ आन्दोलित श्रमिकों के समर्थन में दिये जा रहे धरने में शामिल होने के लिए दबाव डाल रहे हैं। उनका आरोप है कि वह जिस फैक्ट्री में कार्य कर रहे हैं उन्हें फैक्ट्री प्रबंधन से कोई शिकायत नहीं है। उन्हें वह सभी सुविधायें मिल रही हैं जो श्रमिकों को मिलनी चाहिए। रोषित श्रमिकों ने कहा कि उनका कहना है कि काम से रोककर यह लोग न सिर्फ उनकी नौकरी खतरे में डाल रहे हैं बल्कि उनके परिवार के समक्ष भी परेशानियां खड़ी कर रहे हैं। हमें अपना परिवार पालना है कोई राजनीति नहीं करनी है। एक महिला श्रमिक ने बताया कि उसकी पुत्री के विवाह में फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा अग्रिम आर्थिक सहयोग भी दिया गया था। कुछ लोग उन्हें फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ भड़काना चाह रहे हैं लेकिन उनकी यह मंशा सभी श्रमिक पूरी नहीं होने देंगे। श्रमिकों ने कहा कि फैक्ट्री आने के दौरान हाथ में डंडे लेकर कुछ लोग टैम्पो स्टैण्ड पर श्रमिकों को जबरन उतार कर धरना स्थल जाने के लिए बाध्य कर रहे हैं इनके विरूद्ध शिकायत करने के बाद भी पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। जिससे इनके हौसले और बढ़ रहे हैं। यदि किसी भी श्रमिक के साथ कोई भी घटना घटित होती है तो इसकी जिम्मेवारी पुलिस प्रशासन की होगी। इस दौरान शीला, कलावती, उर्मिला, ऊषा, मोहिनी, किरन सक्सेना, विमला, अनीता, अमित, लाल सिंह, अनित, भोला, अमरेन्द्र, आशु, विनोद प्रजापति, अंकुर अरोरा, अरविंद, कमरेश खोलिया, दीपक, सूरज, खालिद, अजीज, इस्कार, श्रवण, सर्वेश, रवि, विबन, अंकित, देव, इरफान पासा सहित सैकड़ों श्रमिक मौजूद थे।

नेटवर्क की समस्याओं का शीघ्र करें निस्तारण:डीएम

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने जनपद के शैडो एरिया में नेटवर्क सम्बन्धित समस्याओं के निस्तारण तथा स्थानीय निवासियों को बेहतर दूर संचार सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली। जिलाधिकारी ने एनआईसी, बीएसएनएल के अधिकारियों व जिओ, एयरटेल एवं इनडेस के प्रतिनिधियों को खटीमा के लोहियाहेड व चकरपुर क्षेत्र में बेहतर नेटवर्क व्यवस्था बनाने के लिए लोहियाहेड, चकरपुर, वनखण्डी महादेव मंदिर से चम्पावत को जाने वाली रोड पर जाकर बीएसएनएल व जिओ टावर लगाये जाने हेतु स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा निधारित समय में कार्य पूर्ण हो इस हेतु भूमि उपलब्धता या अन्य किसी सहयोग की आवश्यकता हो तो जिला प्रशासन को अवगत कराये। उन्होने कहा कि निरीक्षण के उपरांत 15 सितम्बर को पुनः समीक्षा बैठक की जायेगी सभी अधिकारी सम्बन्धित रिपोर्ट के साथ उपस्थित होवें। बैठक में बीएसएनएल के एसडीओ काशीपुर सर्वेश चौहान ने बताया कि राज्य सरकार की योजना के तहत जनपद की 257 ग्राम पंचायतों के 820 केन्द्रों जिनमे सरकारी कार्यालय, स्कूल आदि शामिल है में कनेक्टिविटी के सुविधा उपलब्ध करा दी है जोकि सितारगंज को छोड़कर जनपद के सभी विकास खण्डों में है। उन्होने बताया कि फेज-3 में सितारगंज ब्लॉक व परिसीमन के बाद नई ग्राम पंचायतों का अवलोकन कर 6 माह में कार्य शुरू कर दिया जायेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, ओसी कलेक्ट्रेट डॉ अमृता शर्मा, डिविजन इंजिनियर बीएसएनएल रूद्रपुर टीएस पांगती, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर जातवेद पाण्डे, सिनियर नेटवर्क इं0 स्वान देवी प्रसाद सिंह, जेटीओ बीएसएनएल खटीमा जितेन्द्र सिंह सहित जिओ, एयरटेल व इंडेस टावर कम्पनी के प्रतिनिधि आदि मौजूद थे।

हादसे में डाककर्मी हुआ घायल,रपट दर्ज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। एक हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए डाककर्मी की पत्नी ने अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रपट में शोभा टम्टा पत्नी विरेन्द्र कुमार टम्टा निवासी अमरपुरी गदरपुर ने कहा है कि उसके पति विरेन्द्र कुमार टम्टा पुत्र स्व. विशन लाल टम्टा रूद्रपुर में मुख्य डाकघर में पोस्टमेन के पद पर कार्यरत है। 1 सितम्बर समय करीब रात्रि 8:30 बजे उसके घर पर पति के सहकर्मी अंकित डिमरी और यत्येन्द्र यादव आये और पति उनके साथ चले गये। कुछ देर बाद उनके पति के फोन से फोन आया जिसमे अज्ञात व्यक्ति द्वारा बताया गया कि उनके पति का एक्सीडेंट हो गया है सिर पर काफी गंभीर चोट आई जिसे जिला अस्पताल रुद्रपुर में भर्ती करा दिया है। शोभा का कहना है परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे जहाँ पति एमजेन्सी में भर्ती थे। डाक्टर द्वारा हालत को नाजुक बताते हुए हायर सेन्टर रेफर कर दिया गया। जिसके बाद पति को निजी अस्पताल ले गई जहाँ उनकी हालत काफी गम्भीर बनी हुई है। जोकि वर्तमान में कोमा में है।

सोमेश्वर में महिला की करंट लगने से मौत

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा के सोमेश्वर में नारंटोली गांव की महिला घास काटने के लिए जंगल गई थी। लेकिन इस दौरान महिला करंट की चपेट में आ गई जिस से उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद से परिजनों में मातम पसर गया है। सोमेश्वर के नारंटोली निवासी गंगा देवी पत्नी आनंद बल्लभ पेंसिल के जंगल में अपने पालतू जानवरों के लिए घास लेने के लिए गई थी। बताया जा रहा है किजंगल से घास लाने के दौरान महिला को पोल से करंट लग गया। करंट लगने के कारण महिला चिल्लाने लगी और जमीन पर गिर गई। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर आस-पास मौजूद लोग वहां पहुंचे। आनन-फानन में महिला को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से महिला के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

श्री राम नाटक क्लब की कार्यकारिणी का गठन

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। नगर की प्राचीन रामलीला के इस वर्ष के आयोजन हेतु श्री राम नाटक क्लब की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर पंच मंदिर में हुई बैठक में सर्व संपत्ति से तय किया गया कि इस वर्ष की कार्यकारिणी में संरक्षक मोहन लाल भुडी, सरपरस्त हरीश सुखीजा, प्रेम खुराना, अनिल तनेजा, राम कृष्ण कन्नौजिया, संजीव आनंद, डॉयरेक्टर विशाल भुड्डी, मनोज मुंजाल, आशीष ग्रोवर, महामंत्री गौरव तनेजा, सचिव गौरव बेहड़, सह सचिव राजकुमार कक्कड एवं सचिन मुंजाल, कोषाध्यक्ष रमन अरोरा, मंच व्यवस्था सुभाष तनेजा एवं नरेश छाबड़ा संभालेंगे।

संदिग्ध हालतों में युवती लापता

हल्द्वानी(उद संवाददाता)।एक महिला ने अपनी भतीजी की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाते हुए मुखानी थाना पुलिस को गुमशुदगी की तहरीर सौंपी है सौंपी तहरीर में ऊंचा पुल निवासी उर्मिला पत्नी संजय ने कहा है कि उसकी भतीजी 18 वर्षीय दीप वाला पत्नी चंदन मिस्त्री 22 अगस्त को अपनी नानी निवासी चौपला चौराहा जीना कॉलोनी जाने की बात कह कर के निकली थी लेकिन वह वहां नहीं पहुंची उसकी काफी खोजबीन करने के बाद भी उसका कहीं भी पता नहीं लगा है परिजनों को उसकी अनिष्ठा की चिंता सताने लगी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कार्यशाला में छात्राओं ने बताये असुरक्षित स्थान

सड़कों पर मनचलों से खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं छात्राएं, टेंपो स्टैंड, बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड पर सीसीटीवी लगने चाहिए

हल्द्वानी। हल्द्वानी (उद संवाददाता)। राजकीय महिला महाविद्यालय में महिला एवं बाल विकास विभाग नैनीताल द्वारा जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत "बालिकाओं द्वारा असुरक्षित स्थानों के चिन्हीकरण" विषय में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं जानकारी दी गई। पुलिस विभाग द्वारा गौरा शक्ति ऐप और विभिन्न कानूनों की जानकारी दी गई। इसी तरह एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग, स्वास्थ, शिक्षा, सेवायोजन एवम परिवीक्षा विभाग से आए हुए अधिकारियों द्वारा बालिकाओं से जुड़ी योजनाएं एवम समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। अपर निदेशक, प्रशिक्षण ऋचा सिंह एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अनुलेखा बिष्ट द्वारा बालिकाओं से ऐसे स्थानों के बारे में पूछा गया जहां पर वह असुरक्षित महसूस करती हैं। बालिकाओं द्वारा नगर में विभिन्न स्थानों को चिन्हित करते हुए असुरक्षित महसूस किए जाने की वजह भी बताई गई। जैसे युवक झुंड बना कर खड़े रहते हैं, शराब या नशे का सेवन करते हैं और आते जाते लड़कियों को छेड़ते हैं आदि। कार्यशाला मे ऋचा सिंह ने बालिकाओं से संवाद स्थापित करते हुए विस्तार से इस विषय पर चर्चा की। जिसमे बालिकाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और सुझाव भी दिए ।ऋचा सिंह, अपर निदेशक प्रशिक्षण ने कहा कि कार्यशाला में चिह्नित स्थानों और सुझाव के साथ समिति जिलाधिकारी को रिपोर्ट देगी जिससे संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जा सके। कार्यक्रम का उद्देश्य भयमुक्त वातावरण बनाना है ताकि छात्राएं स्वयं को असुरक्षित महसूस न करें, वे भरोसे के साथ कहीं भी आ-जा सकें। साथ ही अभिभावक भी चिंतामुक्त हो सकें। जिससे संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य भय मुक्त वातावरण को बनाना है। जहां बालिकाएं स्वयं को असुरक्षित ना महसूस करें और विश्वास के साथ कहीं भी आ जा सके। उन्हें आने-जाने में भय ना लगे और जिस भी क्षेत्र में छेड़छाड़ या बच्चियों को असुरक्षा महसूस हुई है। उनमें शीघ्र ही कार्यवाही की जायेगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य, बाल विकास परियोजना अधिकारी शिल्पा जोशी एवम भीमताल रेनू मर्तोलिया, सुपरवाईजर, एनएसएस प्रभारी डा. ऋतुराज पंत एवं डा. गीता पंत उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुपरवाइजर प्रियंका द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी हल्द्वानी शिल्पा जोशी, रेनू मर्तोलिया, एनएसएस प्रभारी डा. ऋतुराज पंत, डा. गीता पंत आदि मौजूद रहे। **छात्राओं को सड़कों और गलियों में लगता है डर:** तिकोनिया से लेकर वर्कशॉप लाइन तकए एमबीपीजी के पीछे जहां ई-रिक्शा खड़े रहते हैं। मुखानी क्षेत्र में श्याम अपार्टमेंट के पास। मंगल पड़ाव टेंपो स्टैंड पर।।मटर गली के पास स्थित पार्क में।चौफला चौराहे के पास। आनंदा स्कूल नहर कवरिंग रोड पर। सुशीला तिवारी रोड के पीछे से जाने वाली सड़क पर। डहरिया के पास। पनचक्की के पास। हाईडिल गेट के पास। चोरगलिया के मुख्य चौराहे से मछली वन को जाने वाली सड़क पर। छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। ऑटो या रिक्शा स्टैंड पर पुलिस को गश्त करनी चाहिए। ऑटो चालकों के गले में अनिवार्य रूप से आईडी कार्ड लटका होना चाहिए। ऑटो और टेंपो पर नंबर और मालिक का नाम-पता लिखा होना चाहिए। टेंपो स्टैंड, बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड पर सीसीटीवी लगने चाहिए।

किच्छा को आदर्श विधानसभा बनाना लक्ष्य: बेहड़

जनता संवाद के तहत क्षेत्रवासियों ने रखी विधायक बेहड़ के समक्ष समस्याएं

किच्छा(उद संवाददाता)। क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड ने कहा कि किच्छा विधानसभा को एक आदर्श विधानसभा बनाना है वे जबसे विधायक बनें है इसी लक्ष्य से क्षेत्रवासियों की सेवा कर रहे है और विकास कार्यो को पूर्ण करा रहे है। बेहड़ ने कहा कि उनके लगातार प्रयासों से विधानसभा किच्छा में विकास कार्य अंजाम तक पहुच रहे है उनके द्वारा सड़कों के नवीनीकरण और मरम्मत के कार्यो के साथ नयी-नयी विकास योजनायें किच्छा में लायी जा रही है उनको पूर्ण विश्वास है की जल्द ही किच्छा एक आदर्श विधानसभा बनकर उभरेगी। इससे पूर्व जनसंवाद कार्यक्रम के तहत पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वर्तमान विधायक तिलक राज बेहड़ के आवास विकास स्थित कार्यालय पर तमाम क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याएं रखी। जिसमें क्षेत्रवासियों ने उन्हें राशन कार्ड, पेंशन, बिजली के बिल, पानी , स्वास्थ्य , शिक्षा जैसी तमाम समस्याएं उनके सामने रखी। इस दौरान श्रीमती कर्मजीत कौर कच्ची खमरिया निवासी ने अपने इलाज हेतु आर्थिक सहायता दिलाये जानें,ग्राम अंजनिया से पुष्पा रानी,शशी आदि ने सड़क निर्माण कराये जाने हेतु, संतोष कुमार सिंह ने पुलभट्टा स्थित गोला नदी में दो टावर विधुत पोल लगाए जाने हेतु ,चंद्रकला कोरंगा ग्राम प्रधान खामिया न-02 ने शंतिपुरी बिदुख्ता जाने वाली 1.2 किलोमीटर सड़क का निर्माण कराये जाने,भंडारी कालोनी जवाहरनगर डेरी फार्म नगला के वासियों ने अपनी कालोनी की समस्याओं से अवगत कराया ,अमित गुप्ता निवासी वार्ड न-16 ने अपने भाई पवन गुप्ता के टीवी रोग का इलाज कराये जाने हेतु, वसरूद्दीन निवासी कुर्रैय्या ने कान की मशीन दिलाये जाने की मांग विधायक बेहड के समक्ष रखी ।अधिकाँश समस्याओ का विधायक बेहड़ द्वारा मौके पर हि निस्तारण किया गया तथा सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं के निदान हेतु आदेशित किया।

नवगठित एवं पुनर्गठित ग्राम पंचायतों को लेकर आपत्तियों पर सुनवाई 5 सितम्बर को

रूद्रपुर(उद संवाददाता)।जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार आगामी त्रिस्तरीय पंचायतों के सामान्य निर्वाचन से पूर्व जनपद में विकास खण्डवार नवगठित एवं पुनर्गठित ग्राम पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण सम्बन्धी प्रस्तावों का परीक्षणोंपरान्त अनन्तिम प्रकाशन किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास खण्डवार नव गठित एवं पुनर्गठित ग्राम पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के अनन्तिम प्रकाशन के सम्बन्ध में जिस किसी भी हितबद्ध व्यक्ति/व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्तियां 2 सितम्बर से 4 सितम्बर 2024 तक किसी भी कार्य दिवस में खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय/जिला पंचायत कार्यालय/ जिला पंचायतराज अधिकारी कार्यालय/मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय एवं जिलाधिकारी कार्यालय में लिखित रूप से दर्ज करा सकते है। उन्होने बताया कि शासन द्वारा नियत तिथि 04 सितम्बर की सांय 05 बजे के उपरांत प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि विकास खण्डवार नव गठित एवं पुनर्गठित ग्राम पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के अनन्तिम प्रकाशन के सम्बन्ध में प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई 5 सितम्बर 2024 को प्रात: 11 बजे से डॉ0 एपीजे हॉल कलेक्ट्रेट में की जायेगी। उन्होंने ऐसे हितबद्ध व्यक्ति/व्यक्तियों से कहा है कि वे सुनवाई के मौके पर अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु स्वयं उपस्थित हो सकते है।

सीआरपी और बीआरपी के 955 पदों पर शुरू होगी भर्ती

देहरादून। शिक्षा विभाग में सीआरपी और बीआरपी के 955 पदों पर रुकी भर्ती प्रक्रिया फिर शुरू होगी। शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी के मुताबिक, हाईकोर्ट से भर्ती पर लगी रोक हट गई है। भर्ती प्रक्रिया को जल्द शुरू किया जाएगा। प्रदेश में बीआरपी के 285 और सीआरपी के 670 पदों पर विभिन्न वजहों से भर्ती पिछले आठ साल से भी अधिक समय से नहीं हो पाई है। आउटसोर्स से होने वाली भर्ती के लिए सेवायोजन विभाग के रोजगार प्रयाग पोर्टल पर इस साल 29 जून से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। बताया गया था कि दो सप्ताह के भीतर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी, लेकिन चयनित एजेंसी के खिलाफ कोर्ट में याचिका पर भर्ती पर रोक लग गई थी। उधर, बीआरपी और सीआरपी के पद पर भर्ती के लिए अभ्यर्थी के पास बीएड की उपाधि के साथ ही सीटीईटी या यूटीईटी का प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। सीआरपी के लिए स्नातकोत्तर में किसी भी विषय में 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए, जबकि बीआरपी के लिए स्नातक या स्नातकोत्तर में 55 प्रतिशत अंक होने चाहिए। भर्ती के 10 प्रतिशत पद सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए आरक्षित हैं।

मुन्ना सिंह चौहान के बयान का बंगाली समाज ने किया विरोध

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। भाजपा विधायक मुन्ना सिंह के बयान के विरोध में आंचलिक बंगाली कल्याण समिति के बैनरतले बंगाली समुदाय के लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। इस दौरान आंचलिक बंगाली कल्याण समिति के अध्यक्ष राम चंद्र राय ने कहा कि गैरसैंण विधानसभा सत्र के दौरान सत्ताधारी पार्टी के विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने बंगाली समाज की उपजातियों का उपहास करते हुए बंगाली समाज को पश्चिम बंगाल से आए मेहमान के तौर पर केवल रहने मात्र करार दिया जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। इस दौरान लाउड स्पीकर के साथ प्रत्येक गांव में नुक्कड़ सभा कर लोगों को बंगाली समाज के खिलाफ बोले गये बयान को सुनाया गया। बंगाली कल्याण समिति के बैनर तले ग्राम बैकुंठपुर,टैगोर नगर, सुरेंद्रनगर,अरविंद नगर, निर्मलनगर, राजनगर, शक्तिफार्म बाजार, गोविंदनगर आदि गांवों में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य रविन्द्र सिंह, विनय विश्वास, नरेश साना, प्रियजित राय, अशोक विश्वास, सुमित मंडल, प्राण मंडल,राम गोपाल सरकार,हरीचांद विश्वास, सुकुमार चक्रवर्ती, ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम आचार्य, श्रीकांत मिस्त्री, राहुल हालदार,प्रदीप कुमार,राजा भैया आदि लोग मौजूद थे।

पंतनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने से मजबूत होगी अर्थव्यवस्था: भट्ट

रूद्रपुर(उद संवाददाता)।पंतनगर एयरपोर्ट विस्तारीकरण में आ रही समस्याओं के निराकरण कर शीघ्र निर्माण कराये जाने के संबंध में सांसद अजय भट्ट ने जिला प्रशासन व एयरपोर्ट डायरेक्टर के साथ पंतनगर विवि. के एनेक्सी सभागार में समीक्षा बैठक ली। सांसद भट्ट ने कहा कि पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण होने व अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनने से सम्पूर्ण कुमाऊं मंडल में पर्यटन का विकास होगा साथ ही यहां के होमस्टे व क्षेत्रीय व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा जिससे न केवल इस क्षेत्र की बल्कि पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। एयरपोर्ट विस्तारीकरण के बाद बड़ी फ्लाइट्स के कारण देश-विदेश के पर्यटक आसानी से कुमाऊं भ्रमण कर सकेंगे, जिससे मण्डल में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन गतिविधियों के साथ ही सैलानियों को राज्य की संस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संस्कृति से भी आसानी से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने से यहां से अंतर्राष्ट्रीय उड़ाने भी चालू हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय उड़ान के साथ ही कारगो व घरेलू उड़ानें भी यहां से संचालित होंगी। श्री भट्ट ने बताया कि उड़ान योजना जो बंद हो गई थी उनके आग्रह पर रविवार व सोमवार को देहरादून से पंतनगर व पंतनगर से देहरादून के लिए पुन: शुरू कर दी गयी है जिसके लिए उन्होंने मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मा. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए किये गये अब तक के कार्य की जानकारी ली । बैठक में जिलाधिकारी उदयराज सिंह तथा एसडीएम मनीष बिष्ट ने एयरपोर्ट विस्तारीकरण हेतु किये गये कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए कैबिनेट से मंजूरी मिल गयी है। उन्होंने बताया कि 524 एकड़ भूमि एयरपोर्ट अथॉरिटी को दे दी गयी है जिसकी दाखिल खारिज भी एयरपोर्ट अथॉरिटी के नाम कर दी गयी है साथ ही भूमि निर्देशांक भी अथॉरिटी को उपलब्ध करा दिये गये हैं। इसके साथ ही 103 एकड़ भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को दे दी गयी है ताकि एयरपोर्ट विस्तारीकरण में एनएच के आने से उसका डायवर्जन किया जा सके व शीघ्र डायवर्जन का कार्य शुरू हो सके। पंतनगर एयरपोर्ट डायरेक्टर मोनिका डेम्बला ने बताया कि एयरपोर्ट विस्तारीकरण की डीपीआर बनाने के लिए धनराशि प्राप्त हो गई है तथा कंसल्टेंट एंजेंसी भी नियुक्त कर ली गयी है। इसके साथ ही भूमि निर्देशांक मुख्यालय को भेज दिए गए हैं तथा एयरपोर्ट के इंफ्रास्ट्रक्चर (टर्मिनल, रनवे, पार्किंग आदि) की योजना बनायी जा रही है। सांसद श्री भट्ट ने एयरपोर्ट विस्तारीकरण के लिए केन्द्र व राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया साथ ही विस्तारीकरण का कार्य तेजी से करने के लिए जिला प्रशासन व एयरपोर्ट अथॉरिटी की सराहना की । बैठक में जिलाधिकारी उदयराज सिंह, विधायक रूद्रपुर शिव अरोरा, विमानपत्तन निदेशक मोनिका डेम्बला, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, तहसीलदार रूद्रपुर दिनेश कुटोला, मैनेजर एनएचएआई मीनू, विमानपत्तन परामर्श समिति के सदस्य हेमंत कुमार नरूला, हेमंत लोशाली, राजीव चौधरी आदि थे।

श्रमिकों का नहीं होने दिया जाएगा उत्पीड़न: शिव

धरना स्थल पहुंचकर विधायक ने सुनी श्रमिकों की समस्याएं, एसडीएम से की वार्ता

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठे डॉल्फिन कम्पनी के खिलाफ कर्मचारियों के बीच पहुँचे क्षेत्रीय शिव अरोरा ने श्रमिकों का हाल जाना और उनकी समस्याओं को सुना। पारले चौक पर धरने पर बैठे श्रमिकों को सम्बोधित करते हुए विधायक शिव अरोरा ने कहा डॉल्फिन कम्पनी के श्रमिक अपनी विभिन्न मांगो को लेकर विगत काफी दिनों से धरने पर बैठे है और उनके संज्ञान मे यह मामला पहले से है जिसमें 14 अगस्त को श्रमिक संघ के लोग उनके साथ जिला अधिकारी से मिले थे जिसमें आये दिन होने वाली विभिन्न प्रकार की समस्या के समाधान हेतु उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने की मांग की थी। जिस पर 30 अगस्त को जिलाधिकारी ने 6 सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है, जिसमें एडीएम पंकज उपाध्याय कमेटी के अध्यक्ष है, साथ में एसपी सिटी, उपजिलाधिकारी रुद्रपुर, क्षेत्रीय अधिकारी पुलिस, सहायक श्रम आयुक्त, ,क्षेत्रीय प्रबंधक सिडकुल भी कमेटी में शामिल है जो एक उच्च स्तरीय अधिकारी कमेटी है। विधायक शिव अरोरा ने धरना दे रहे कर्मचारियों के सामने ही कमेटी के अध्यक्ष एडीएम पंकज उपाध्याय से दूरभाष पर वार्ता की और कर्मचारियों की समस्याओं संबंधित विषय को बताया । एडीएम उपाध्याय ने बताया कि तीन दिन के भीतर उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा डॉल्फिन कम्पनी के प्रबंधक को बुलाया जायेगा और धरना दे रहे कर्मचारियों की मागों को लेकर उनसे वार्ता कर उनकी मांगो के समाधान हेतु प्रयास किये जायेंगे। यूनियन लीडर व धरना दे रहे कर्मचारियों ने विधायक शिव अरोरा का आभार जताया। साथ ही विधायक शिव अरोरा ने कहा कि निश्चित रूप से संकट की घड़ी मे आपके साथ खडे है और हर सम्भव मदद हेतु हर प्रकार से प्रयास किया जायेगा। इस दौरान भाजपा नेता सुरेश कोली,मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, राधेश शर्मा, मनोज मदान, संदीप राव , यूनियन लीडर दिनेश तिवारी, रोहित शिव कुमार गंगवार व अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला समाज कल्याण अधिकारी पद पर चयनित हुई जसमीत कौर को किया सम्मानित

रूद्रपुर (उद संवाददाता) ।उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग परीक्षा में जिला समाज कल्याण अधिकारी पद पर चयनित हुई जसमीत कौर को पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने उनके आवास पर राधा कृष्ण प्रतिमा देकर सम्मानित किया एवं शुभकामनाएं दी। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा जसमीत कौर ने रुद्रपुर

सहित पूरे उत्तराखंड को नाम रोशन किया है। पूर्व विधायक ठुकराल ने जसमीत कौर को उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी । इस दौरान पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने उनके पिता सरदार जसवंत सिंह पाहवा एवं माता मनप्रीत कौर को भी बधाई दी। इस दौरान समाजसेवी संजय ठुकराल,राजकुमार भुसरी, अजय नारायण ,सुरेन्द्र सिह सरजू,ललित बिष्ट,गौरव सिंह सोंलकी, बंटी कोली आदि उपस्थित थे।

पुलिस उपाधीक्षक बनने पर अवनि तिवारी का किया स्वागत

रुद्रपुर। पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर पुलिस उपाधीक्षक बनी रुद्रपुर की अवनि तिवारी का उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा और दर्जनों अन्य सहयोगियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इससे पूर्व मॉडल कॉलोनी स्थित अवनि तिवारी के आवास पर पहुंची श्रीमती शर्मा ने पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर रुद्रपुर ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित करने वाली आरवपीव तिवारी और पुष्पा तिवारी की होनहार पुत्री अवनि तिवारी को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी और शुभकामनाएं दी,उन्होंने कहा कि अवनि तिवारी की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है, यहां श्रीमती शर्मा ने कहा कि अवनि तिवारी ने पीसीएस परीक्षा पास कर और पुलिस उपाधीक्षक बनकर रुद्रपुर सहित उत्तराखंड का नाम रोशन किया है, उन्होंने अपनी साथी महिलाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अवनि तिवारी का शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया, यहां सभी ने अवनि तिवारी को फूल मालाओं से लाद दिया, और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भी भेंट किया और उनके सुखमय भविष्य की कामना की स इस अवसर पर श्रीमती शर्मा सहित महानगर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष मोनिका ढाली, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और ग्राम सैजना के पूर्व प्रधान विजय यादव, आरवपीव तिवारी, पुष्पा तिवारी, निगम पार्षद प्रीति साना ,कांग्रेस नेता अनिल शर्मा, रेनू अरोरा, मंजू जैन, संगीता बांगा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

धन धन रामदास गुरु जिन सीरिया तिने सवारिया

गुरुद्वारा श्री दुख निवारण साहिब में सजा धार्मिक दीवान

हल्द्वानी (उद संवाददाता) ।गुरुद्वारा श्री दुख निवारण साहिब में कीर्तन भाई कमलदीप सिंह, तनप्रीत सिंह रागी जत्था चंबा हिमाचल प्रदेश वालों के द्वारा किया गया। उन्होंने धन धन रामदास गुरु जिन सीरिया तिने सवारिया, ऐसे गुरु को बल बल जाइये आप मुक्त मोहे तारे, सो सतगुरु प्यारा मेरे नाल है,सभना का माँ प्यो आप है। कीर्तन शबद गाए। साथ ही श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में मुख्य ग्रंथी कमलजीत सिंह द्वारा अरदास कराई गई। इसके साथ ही साध संगत में लंगर भी वर्ताया गया। इस मौके पर गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब के मुख्य सेवादार रणजीत सिंह नागपाल, सचिव हरविंदर सिंह कुकरेजा, उपाध्यक्ष फतेह सिंह, मीडिया प्रभारी दलजीत सिंह दल्ली, अवतार सिंह, इंद्रजीत सिंह, परमजीत सिंह, राजेंद्र गुलाटी, कुलजीत सिंह नागपाल, दलजीत सिंह चड्ढा, परविंदर सिंह, दलीप सिंह, हरविंदर सिंह, बनप्रीत सिंह, हरप्रीत सिंह नागपाल, सतपाल सिंह, देवेंद्र जीत सिंह, पवनप्रीत सिंह, मनमीत सिंह, दीदार सिंह, दलजीत सिंह हनी साध संगत मौजुद रहे। रात्रि प्रोग्राम भी भाई कमलदीप सिंह, तनप्रीत सिंह चंबा हिमाचल प्रदेश वाले रागी जत्था द्वारा शबद कीर्तन किया गया। जिसके बाद अटूट लंगर बरताया गया।

सड़क बनवाने के लिए सौंपा ज्ञापन

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। वनखण्डी नाथ नगर फेस-1 में रोड़ बनवाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों के एक शिष्टमंडल ने निवर्तमान पार्षद एवं भाजपा नेता सुरेश गौरी के नेतृत्व में नगर निगम में उप नगर आयुक्त के माध्यम से नगर आयुक्त को ज्ञापन प्रे कोषित किया। श्री गौरी ने बताया कि वार्ड नं. में बनखण्डी नाथ नगर फेस-1 में रोड़ नाली नहीं होने के कारण यहाँ के लोगों को काफी दिक्कतें हो रही है। यहां के लोग यह चाहते है कि जेपी. कालोनी निकट पहाड़ी सोनार वाली गली की तरह उनकी कालोनी ने भी जलभराव वाले स्थानों पर मालवा मिट्टी डाल दी जाए। उससे जलभराव की समस्या से कुछ राहत मिलेगी वहीं आवागमन में भी परेशानी नहीं होगी। श्री गौरी को बताया गया की क्षेत्र में कई मार्गों पर मालवा मिट्टी डालने का कार्य किया जा रहा है। शीघ्र ही वनखण्डी नाथ नगर फेस-1में भी यह कार्य शुरू कर दिया जायेगा। इस दौरान हरीश जोशी, नागेंद्र यादव, ब्रह्मानंद, दिनेश कुमार, नवीन कुमार, महिपाल सिंह, हरदयाल सिंह, सर्वेश कुमार, रवि यादव, रतनेश कुमार, कुलदीप, शिवांग, अमित, छोटे लाल, सचिन यादव, संतोष, कमल, बंटी व रामचरन आदि मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री की तत्परता से घायल गोवंश का हुआ सफल रेस्क्यू

पशु क्रूरता निवारण समिति की रही महत्वपूर्ण भूमिका

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा की त्वरित कार्यवाही और जनपदीय पशु क्रूरता निवारण समिति के सदस्य प्रथम बिष्ट के प्रयासों से एक गंभीर रूप से घायल गोवंश का सफल रेस्क्यू किया गया। दरअसल छतरपुर, रुद्रपुर में एक गोवंश कुछ दिनों से घायल अवस्था में पड़ा हुआ था। समाजसेवी ममता जीना ने इसकी सूचना प्रथम बिष्ट को दी। प्रथम बिष्ट ने तुरंत कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा तक यह मामला पहुँचाया। घायल गोवंश की टांगें एक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर टूट गई थीं। उसे तत्काल चिकित्सा सहायता की जरूरत थी। मंत्री सौरभ बहुगुणा ने घटना की सूचना मिलते ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी और वेटनरी डॉक्टरों की टीम को तुरंत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके परिणामस्वरूप, घायल गोवंश को रामेश्वरपुर गोशाला में उचित उपचार और देखभाल के लिए पहुँचाया गया। रात के समय,पशु प्रेमी प्रथम बिष्ट, सुशील भट्ट, अरुण चुग्घ और उनकी टीम ने गोवंश को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए काफी मेहनत की। टीम के प्रयास से गोवंश को नई जिंदगी मिली और उसे सुरक्षित माहौल में छोड़ा गया। प्रथम बिष्ट ने कहा कि आज के समय में गोवंश के साथ हो रही क्रूरता चिंताजनक है। कई लोग बछड़ा होने या दूध न देने पर गोवंश को आवारा छोड़ देते हैं, जो कि क्रूरता की श्रेणी में आता है। ऐसे लोगों के खिलाफ राज्य गोवंश अधिनियम के तहत सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। इसी दिशा में सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य में प्रत्येक गोवंश के जन्म और मृत्यु का पंजीकरण अनिवार्य करने का प्रस्ताव पारित किया है। साथ ही, गौवंश सरंक्षण अधिनियम की धारा-7 और धारा-8 का उल्लंघन करने पर आर्थिक दंड की राशि को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये किया जाएगा। इसके अलावा, नगर निगम, नगर पालिका परिषदों, नगर पंचायतों और जिला पंचायत स्तर पर सड़क किनारे घायल या बीमार पड़े गोवंश को लिफ्ट कर गौसदनों तक पहुंचाने के लिए लिफ्टिंग वैन और रोगी पशु वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रथम बिष्ट ने कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पशुधन विभाग में जितने परिवर्तन और सुधार हुए हैं, शायद ही किसी अन्य विभाग में हुए हों। मंत्री बहुगुणा की त्वरित कार्यवाही और सेवाभाव के कारण ही आज कई गोवंश की स्थिति में सुधार हुआ है।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

बुल्डोजर विध्वंस का आधार

इस बात को लेकर पिछले कुछ समय से सवाल उठने शुरू हो गए थे कि अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध का आरोपी है, तो सिर्फ इस कारण उसके घर को बुलडोजर से कैसे गिराया जा सकता है। अब इस मसले पर दाखिल याचिका की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त नाराजगी जताई और साफ कर दिया है कि किसी भी व्यक्ति का मकान महज आरोप के आधार पर नहीं गिराया जा सकता। अदालत ने यहां तक कहा कि कोई व्यक्ति भले दोषी हो, फिर भी कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता। हालांकि किसी भी अनधिकृत निर्माण को संरक्षण नहीं दिया जा सकता। केंद्र सरकार का तर्क था कि जिन लोगों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई हुई, वे अवैध कब्जे या अवैध निर्माण के मामले थे। गौरतलब है कि हाल के दिनों में किसी जघन्य अपराध के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर उसका घर ढहा कर भले सख्ती का संदेश दिया जाता रहा हो और इसे कुछ लोग पसंद भी करते हों, मगर कानून और मानवीयता की कसौटी पर यह तौर-तरीका सवालों के घेरे में शुरू से था। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की यह राय बेहद महत्त्वपूर्ण है कि न केवल आरोप लगने, बल्कि दोषी होने पर भी किसी के घर को ढहाना उचित नहीं है। उस घर में आरोपी के अलावा उसके परिवार के अन्य सदस्य हो सकते हैं, जिनका उस पर लगे आरोप से कोई लेना-देना न हो। दूसरे, अगर किन्हीं हालात में अदालत की सुनवाई के बाद आरोपी को निर्दोष पाया गया, तो वैसी स्थिति में ध्वस्तीकरण को कैसे देखा जाएगा। हालांकि अगर किसी का घर किसी नियम का उल्लंघन करके बनाया गया है, तो उसे भी सही नहीं ठहराया जा सकता। मगर यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर किसी आरोपी के घर को गिराने के क्रम में अतिक्रमण या अवैध निर्माण को आधार बनाया जाएगा, तब सभी नागरिकों के लिए व्यापक और समान दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत होगी। शायद यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने इस मसले पर सभी संबंधित पक्षों से सुझाव मांगा, ताकि अचल संपत्तियों के विध्वंस के मुद्दे पर पूरे देश के लिए एक ठोस दिशा-निर्देश जारी किया जा सके।

हरिद्वार में हुई डकैती के खुलासे के लिए लगी 11 टीमें

देहरादून। हरिद्वार में हुई डकैती की घटना के बाद एडीजी ने लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एडीजी कानून व्यवस्था ने एसएसपी हरिद्वार को निर्देशित किया है कि थाने की गश्त, चीता पुलिस, पुलिस पिकेट आदि की ड्यूटी चार्ज का विश्लेषण कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके लिए एसपी सिटी से जांच कराने के निर्देश दिए हैं। एडीजी कानून व्यवस्था एपी अंशुमान ने सोमवार को प्रदेश की कानून व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि हरिद्वार डकैती की घटना का जल्द खुलासा होना चाहिए। इसके लिए एसटीएफ की टीम को नियुक्त किया गया है। एडीजी ने शराब के ठेकों के आसपास और सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा कि दो समुदाय से संबंधित प्रकरणों को गंभीरता से लिया जाए। ऐसी स्थिति में मौके पर पर्याप्त संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया जाए। भीड़ नियंत्रण के लिए मुख्यालय की एसओपी का ध्यान रखा जाए। जिले में आपराधिक घटनाओं पर तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए। अगली कार्रवाई के साथ-साथ जनपद प्रभारी कानून व्यवस्था संबंधी डाटा की भी समीक्षा करें। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पूर्व की घटनाओं को लेकर सतर्कता बरती जाए। सांप्रदायिक सौहार्द बनाने के लिए थानावार शांति समितियों के साथ समय-समय पर बैठक की जाए। रानीपुर मोड़ के पास श्रीबालाजी ज्वेलर्स के शोरूम में चार करोड़ की डकैती डालने वाले बदमाशों की तलाश में पुलिस और सीआईयू की 11 टीमें लगाई गई हैं। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में टीमें दबिश दे रही हैं। वाहनों के नंबर के आधार पर मिले क्लू के आधार पर कई जनपदों में टीम ने डेरा डालकर तलाश की जा रही है। पुलिस के हाथ कई अहम सुराग भी लगे हैं। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने जल्द मामले का खुलासा करने का दावा किया है। रविवार की दोपहर रानीपुर मोड़ के पास अतुल गर्ग के श्रीबालाजी ज्वेलर्स शोरूम में हथियारबंद बदमाशों ने घुसकर डकैती को अंजाम दिया था। कारोबारी अतुल पर फायर झोंका था, जिसमें वह बाल-बाल बच गए थे। बदमाशों ने डिस्प्ले काउंटरों को हथौड़ी से तोड़कर सोने-चांदी और हीरे के आभूषण बैगों में भरा और मिर्च वाला स्प्रे कर स्कूटी और बाइक से फरार हो गए थे। घटना के बाद फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए थे और पुलिस व सीआईयू की करीब 11 टीमें धरपकड़ में लगा दी गई। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने जल्द खुलासे के निर्देश दिए। इसके बाद इंस्पेक्टर प्रदीप बिष्ट की अगुवाई में टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं। रात में ही क्लू मिलने पर कई टीमें पश्चिमी यूपी के कई जनपदों के लिए रवाना कर दी गई थीं। कई टीमें शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए लोकेशन ट्रेस कर रही हैं।

फिर उठी मूल निवास और भू-कानून बनाने की मांग

गैरसैण। प्रदेश में एक बार फिर से मूल निवास और भू-कानून की मांग को लेकर लोग सड़कों पर उतरे हैं। गैरसैंण में उत्तराखंड में मूल निवास और भू-कानून व गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की मांग को लेकर महारैली का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी मौजूद थे। गैरसैंण मे हुई रैली के बाद मूल निवास आंदोलन को व्यापक बनाने की तैयारी की जा रही है। समन्वय समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने बताया कि प्रदेश में मूल निवास की सीमा 1950 और मजबूत भू-कानून लागू करने को लेकर चल रहे आंदोलन को प्रदेशभर में ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ठोस कार्यक्रम बनाकर पूरे प्रदेश में जन जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा। ये हैं प्रमुख मांगें: मूल निवास की कट ऑफ डेट 1950 लागू की जाए। प्रदेश में ठोस भू-कानून लागू हो।गैरसैंण को प्रदेश की स्थाई राजधानी घोषित किया जाए। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। शहरी क्षेत्रों में 250 मीटर भूमि खरीदने की सीमा लागू हो। गैर कृषक द्वारा कृषि भूमि खरीदने पर रोक लगे। पर्वतीय क्षेत्र में गैर पर्वतीय मूल के निवासियों के भूमि खरीदने पर तत्काल रोक लगे।राज्य गठन के बाद से वर्तमान तिथि तक सरकार की ओर से विभिन्न व्यक्तियों, संस्थानों, कंपनियों को दान या लीज पर दी गई भूमि का ब्यौरा सार्वजनिक किया जाए। प्रदेश में विशेषकर पर्वतीय क्षेत्र में लगने वाले उद्यमों, परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण या खरीदने की अनिवार्यता है या भविष्य में होगी, उन सभी में स्थानीय निवासी का 25 प्रतिशत और जिले के मूल निवासी का 25 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित किया जाए। ऐसे सभी उद्यमों में 80 प्रतिशत रोजगार स्थानीय व्यक्ति को दिया जाना सुनिश्चित किया जाए।

सर्वश्रेष्ठ गायक के खिताब से नवाजे गए सौरव मैठाणी

नियो फरस्वाण को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सौरव मैठाणी के (पहाड़ों को रेबासी) गीत को मिला अवॉर्ड

देहरादून। 'सुरीला गीत' के लिए नियो फरस्वाण को यंग उत्तराखंड सिने अवॉर्ड 2024 के तहत सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। नियो फरस्वाण चमोली जिले के नारायणबगड़ के दूरस्थ गांव जुनेर के निवासी हैं और अभी परिवार के साथ देहरादून में रह रहे हैं। बीते शनिवार को यंग उत्तराखंड सिने अवॉर्ड के 12वें संस्करण का नेहरू ऑडिटोरियम दिल्ली में आयोजन किया गया। इस मौके पर वर्ष 2023 में उत्तराखंड क्षेत्रीय सिनेमा और संगीत में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कलाकारों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। नियो को अवॉर्ड मिलने पर पिंडर घाटी व उनके पैतृक गांव जुनेर में खुशी का माहौल है। उन्होंने सुरीला गीत के लिरिक्स कलाकार प्रदीप फरस्वाण व पूरी टीम का आभार जताया। नियो ने प्रारंभिक शिक्षा जुनेर गांव के स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद देहरादून से आगे की पढ़ाई पूरी की। वह उत्तराखंड की लोक धुन, लोक गीतों और संस्कृति पर शोध कर रहे हैं। उत्तराखंड के गायक सौरव मैठाणी को सर्वेश्रेष्ठ गायक के खिताब से सम्मानित किया गया है। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम नई दिल्ली में 31 अगस्त को यंग उत्तराखंड सिने अवार्ड के 12वें एडिशन का आयोजन किया गया। इसमें पांच हजार से अधिक दर्शकों ने प्रतिभाग किया। बता दें कि यंग उत्तराखंड सिने अवार्ड उत्तराखंड संगीत, फिल्म जगत में लोक कलाकारों के सम्मान के लिए भव्य आयोजन करता आ रहा है। इसी कड़ी में वर्ष 2024 में सर्वश्रेष्ठ गायक का अवार्ड लोकगायक सौरव मैठाणी के (पहाड़ों को रेबासी) गीत को प्रदान किया गया।

-सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मैं अपने पिता के नाम राम सोबरन का अंग्रेजी अनुवाद (RAM SOBARAN LAL) उपयोग करता था, लेकिन अब मैं अपने पिता के नाम का अंग्रेजी अनुवाद (RAM SOBRAN LAL) उपयोग करता हूँ। अब से मेरे पिता के नाम का अंग्रेजी अनुवाद (RAM SOBRAN LAL) से ही सम्बोधित करें।

पुष्पेन्द्र शर्मा पुत्र श्री राम सोबरन लाल, निवासी-1061 दूधिया नगर वार्ड नं० 04 रूद्रपुर जिला उधमसिंहनगर

सूचना सम्बंध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र दीपक कुमार व उसकी पत्नी श्रीमती मंजू कुशवाहा आये दिन परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अकारण लड़ाई झगड़ा करते हैं, दीपक कुमार गलत संगत में रहता है, उसकी पत्नी भी गलत कार्यों में उसका सहयोग करती है, जिससे मेरी सामाजिक प्रतिष्ठा खराब हो रही है। जिस कारण मैंने अपने पुत्र दीपक कुमार व उसकी पत्नी मन्जू कुशवाहा को अपनी हर प्रकार की चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में ये दोनों अपने किसी भी अच्छे बुरे कार्य लेन-देन आदि के लिए स्वयं जिम्मेवार होंगे।

रूदल प्रसाद पुत्र श्री परसन भगत
निवासी-ग्राम बुक्सौरा, थाना दिनेशपुर,
तहसील गदरपुर, जिला उधम सिंह नगर

महिला अपराधों में शामिल सांसद-विधायकों का दोहरा मापदंड

एडीआर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार यह देश और जनता के लिए आश्चर्य में डालने वाला प्रमाण है कि ऐसे विधायक और सांसदों की संख्या निरंतर बढ़ रही है, जो गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े हैं। हैरानी इस पर भी है कि सभी राजनीतिक दल इस पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बना रहे हैं और वे जीत भी रहे हैं। ऐसोशिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से हाल ही में जारी रिपोर्ट के मुताबिक 16 वर्तमान सांसद और 135 विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध के मामले दर्ज हैं। यही नहीं इनमें दो सांसदों और 14 विधायकों पर दुष्कर्म के मामले चल रहे हैं। इन 151 सांसद और विधायकों ने अपने चुनावी शपथ-पत्रों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की जानकारी दी है। एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान चुनाव आयोग को सौंपे गए वर्तमान सांसद और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से ये तथ्यात्मक दस्तावेजी प्रमाण निकाले हैं। पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 25 सांसद व विधायक महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे हैं। इसी प्रकृति के मामलों में ओड़ीसा 17 सांसद व विधायकों के साथ दूसरे पायदान पर खड़ा है। इनमें से 16 वर्तमान सांसद और विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने आईपीसी की धारा 376 के तहत दुष्कर्म से संबंधि तमामले घोषित किए हैं। ऐसे मामलों में न्यूनतम 10 साल की सजा का प्रविधान है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार ऐसे सर्वाधिक मामले भाजपा प्रतिनिधियों के हैं। भाजपा के 54 सांसदों और विधायकों पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध दर्ज है। कांग्रेस के 23 और तेलगु देशम पार्टी के 17 सांसदों और विधायकों पर इसी प्रकृति के मामले भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के पांच-पांच मौजूदा विधायकों पर दुष्कर्म के आरोप है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि भाजपा और कांग्रेस जैसे देशव्यापी दल आपराधिक पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों को टिकट देने से बच नहीं रहे है। कम से कम इन दलों को दुष्कर्म और हत्या जैसे गंभीर मामलों से जुड़े व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने से बचना चाहिए। समाजवादी सांसद रहे अतीक अहमद पर जहां हत्या, दुष्कर्म और जमीन हड़पने के 101 मामले दर्ज थे, वहीं उसके भाई अशरफ अहमद पर 50 से ज्यादा इसी किस्म के मामले दर्ज थे। मुख्तार अंसारी पर भी दर्जनों मामले दर्ज थे। दिल्ली पुलिस ने पूर्व भाजपा सांसद एवं भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश से यौन उत्पीडन और दुर्व्यवहार के मामलों में दो एफआईआर दर्ज की हैं। 7 महिला पहलवानों ने उन पर ये आरोप लगाए थे। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय इस परिप्रेक्ष्य में कानूनी विसंगतियों को दूर करने के उपाय करती रही है। न्यायालय ने 10 जुलाई 2013 को दिए एक फैसले के अनुसार किसी आपराधिक मामले में 2 वर्ष की सजा पाए दोशी सांसद, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों के पद पर बने रहने के अधिकार को समाप्त कर दिया था। जिस तारीख से सजा सुनाई गई थी, उसी दिन से माननीयों की सदस्यता निरस्त मान ली गई थी। अदालत ने इस फैसले में जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 (4) को रदद् कर दिया था। यह धारा दागी नेताओं को मुकदमे लंबित रहते हुए भी पद पर बने रहने की छूट देती थी, यह फैसला 2006 में दाखिल वकील लिली थॉमस की याचिका पर दिया गया था। किंतु इस फैसले के विरुद्ध केंद्र सरकार ने संसद में सर्वसम्मति से संशोधन बिल लाकर शीर्ष अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। आम आदमी को ही चुनाव लड़ने से रोकती है, जिसे दो साल या इससे अधिक की सजा हुई हो और दूसरी तरफ आपराधिक दोषी करार दिए गए नेताओं को पद पर बने रहने की छूट देती थी। इस भेद को खत्म करना, न्यायिक समानता के लिए जरुरी था, जिससे संवैधानिक मर्यादा का पालन हो और

इस बिल में धारा 8 की उपधारा 4 में एक प्रावधान जोड़ा, ताकि दागी नेताओं की कुर्सी बचे रहे और वे सदन की कार्यवाही में भागीदारी करते रहें। किंतु अदालत ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा कि उपधारा 4 भेदभाव पूर्ण है। क्योंकि यह दोषी ठहराये गए आमजन को तो चुनाव लड़ने से रोकती है, लेकिन जनप्रतिनिधि को सुरक्षा मुहैया कराती है। याद रहे राहुल गांधी की लोकसभा सदस्य की सदस्यता भी इसी कानून के आधार पर समाप्त की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने दागियों का महत्व राजनीति से समाप्त करने की दृष्टि से महज जनप्रतिनिधत्व कानून की धारा 8 (4) को खारिज किया था। यह एक ऐसी विरोधाभासी धारा थी, जो पक्षपात बरतते हुए दोषियों को दोहरे दृष्टिकोण से परिभाषित करती थी। यह संहिता एक ओर तो उस देश के हरेक नागरिक को समानता के अधिकार मिलें। हमारे यहां अनेक ऐसी कानूनी विसंगतियां हैं, जो संविधान सम्मत नहीं होने के कारण भेद की संहिता रचती हैं। इसी बाबत यह विडंबना भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि कारागार में बंद विचाराधीन आम आरोपी तो मतदान करने के अधिकार से वंचित रहता है, लेकिन किसी सांसद अथवा विधायक को सजा भी हो जाए तो भी उसकी सदस्यता बरकरार रहती है। अलबत्ता सजायाफ्ता जेल में रहते हुए भी चुनाव लड़ने के अधिकारी बने हुए थे। इसीलिए अदालतो ने किसी जनप्रतिनिधि के सजा पाते ही उसे चुनाव लड़ने से वंचित कर दिया था। दरअसल जनप्रतिनिधि कानून की जिस धारा 8 (4) को न्यायालय ने विलोपित किया था, उसकी प्रतिच्छाया में अब तक प्राथमिकी में नामजद और सजायाफ्ताओं को निर्वाचन में भागीदारी के सभी अधिकार प्राप्त थे। इसके अनुसार सजा सुनाए जाने के छह साल बाद राजनेता मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराकर चुनाव लड़ सकते हैं। लेकिन इसके विपरीत यदि दोशी व्यक्ति की अपील ऊपरी अदालत मंजूर कर लेती है और जब तक उसका फैसला नहीं आ जाता है, तब तक दोषी व्यक्ति को न तो मतदान से वंचित किया जा सकता है और न ही चुनाव लड़ने से ? तय है, अपीलों का यह सिलसिला उच्चतम न्यायालय तक चलता है और तारीखें बढ़वाने की सुविधा के क्रम में कई दशक बीत जाते हैं, नतीजतन सदस्यता भी बरकरार रहती थी और नया चुनाव लड़ने का अधिकार भी बने रहते थे। इस संदर्भ में विसंगति यह भी है कि जेल में बंद आरोपी मतदान का अधिकार तो खो देते हैं, लेकिन ऐसे लोग चुनाव लड़ सकते हैं। इस संदर्भ में तर्क दिया जाता है कि जब तक कोई दोष सिद्ध न हो जाए, तब तक उसे निर्दोश ही माना जाना चाहिए। यह तथ्य सही हो सकता है, लेकिन हमारे नीति-नियंताओं को यह समझने की जरूरत है कि इसी ओट में राजनीति का अपराधीकरण हो रहा है। हालांकि जनप्रतिनिधि कानून के विपरीत संविधान के अनुच्छेद 173 और 326 में प्रावधान है कि न्यायालय द्वारा दोषी-करार दिए लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जा सकते हैं। यहां प्रश्न खड़ा होता है कि जब संविधान के अनुसार कोई अपराधी मतदाता भी नहीं बन सकता तो वह जनप्रतिनिधि बनने के नजरिए से निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी कैसे कर सकता है ? संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत यह दोहरा मापदंड समानता के अधिकार का उल्लंघन है। समान न्यायिक व्यवहार की इस मांग को जनहित याचिका के जरिए लिली थॉमस और लोक प्रहरी नामक एनजीओ ने अदालत के समक्ष रखा था। याचिका में दर्ज इस विशंगति को शीर्ष न्यायालय ने अपने अभिलेख में प्रश्नांकित करते हुए केंद्र से जवाब तलब भी किया था। केंद्र ने शपथ-पत्र देकर तर्क गढ़ा था कि 'कई बार सरकार बनाने या गिराने में चंद वोट ही बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, लिहाजा सजा मिलने पर किसी जनप्रतिनिधि की सदस्यता खत्म कर दी जाती है तो सरकार की स्थिरता ही खतरे में पड़ सकती है।' सरकार ने यह भी तर्क दिया था 'यह उन मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार का हनन होगा, जिन्होंने उन्हें चुना है।' जाहिर है, सरकार राजनीति में शुचिता लाने के बरक्स अपराध बहाली को तरजीह दे रही थी। अन्यथा सरकार क्या यह नहीं जानती कि जो प्रतिनिधि जेल में कैद हैं, वह क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कैसे कर सकता है ? क्या सरकार इस संवैधानिक व्यवस्था से अनभिज्ञ है कि किसी प्रतिनिधि की मृत्यु होने, इस्तीफा देने अथवा सदस्यता खत्म होने पर छह माह के भीतर नया जनप्रतिनिधि चुनने की संवैधानिक अनिवार्यता है ? इस स्थिति में न तो कोई निर्वाचन क्षेत्र नेतृत्वविहीन रह जाता है और न ही किसी सरकार की स्थिरता खतरे में पड़ती है ? फिर क्या महज सरकार बनाए रखने के लिए अपराधियों का साथ लिया जाए ? ऐसी दोषपूर्ण प्रणाली के चलते ही राजनीति का मूलाधार वैचारिक अथवा संवैधानिक निष्ठा की बजाय सत्ता के गणित में सिमट कर रह गया है।

-प्रमोद भार्गव, लेखक, वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट की ट्राफी पर टनकपुर का कब्जा

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। पवित्र यंग क्लब के द्वारा आयोजित गुरुपद विश्वास मेमोरियल अंतरराज्यीय फुटबॉल टुर्नामेंट के फाइनल मैच में टनकपुर की टीम ने कोलकाता की टीम को 1-0 से पराजित करके ट्रॉफी और 21 हजार रुपयें की नगद राशि पर कब्जा किया। शहीद खुदीराम बोस स्टेडियम में खेले गये फाइनल मैच में शुरू से ही दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मध्यांतर से पहले टनकपुर ने गोल करके एक गोल की बढ़त बनाई। मध्यांतर के बाद कोलकाता के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कई हमले टनकपुर पर किए, मगर वह गोल नही

कर सके। अंत में टनकपुर ने मैच 1-0 से जीत लिया। कोलकाता के रिटुं मैन ऑफ द सिरिज, टनकपुर के मन्नत मैन ऑफ द मैच, अज्जू बेस्ट शूटर, राहुल बेस्ट डिफेंडर, कोलकाता के देवोत्थान बेस्ट गोलकीपर चुने गए। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि विध ायक अरविंद पांडेय, पूर्व सांसद बलराज पासी के साथ अन्य अतिथियों ने विजेता टीम को 21हजार रुपयें के चेक के अलावा चमचमाती ट्रॉफी व उप विजेता को 11हजार रुपयें के चेक के साथ ट्राफी प्रदान किए। अखिलेश मंडल ने मुख्य निर्णायक की भूमिका निभाई। यहा , पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा सरकार, अतुल पाण्डेय, अरुण विश्वास, चंद्रकांत मंडल, आनदि मंडल, हिमांशु सरकार, भोला शर्मा, विजय मंडल, ममता हाल्दार, रोहित मंडल, सत्यजीत विश्वास, दीपक मक्कड़, गोपाल चक्रवती, सत्यप्रकाश सिंह, केके गाबा, विकास सरकार, प्रसन्नजीत साह, पीयूष मंडल, अमित गुप्ता, प्रतीक साह आदि थे।

डॉल्फिन कंपनी के धरनारत श्रमिकों को दिया समर्थन

रूदपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना शर्मा ने सोमवार को सिडकुल स्थित डॉल्फिन

कंपनी के संघर्षरत श्रमिकों के बीच पहुंची, जहां पिछले दिनों से चल रहे आंदोलन में उन्होंने प्रतिभाग किया और कहा कि श्रमिकों का उत्पीड़न किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, उन्होंने कंपनी प्रबंधकों को चेतावनी दी की यदि श्रमिकों की उचित मांगों को पूरा नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। श्रीमती शर्मा ने कंपनी प्रबंधकों को चेतावनी देते हुए कहा कि सिडकुल की स्थापना प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पंडित नारायण दत्त तिवारी ने श्रमिकों के कल्याण और उनके उत्थान के लिए की थी, लेकिन जिस तरीके से कंपनी के प्रबंधक श्रमिकों का उत्पीड़न कर रहे हैं, उसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह प्रबंधकों को चेतावनी देती हैं कि श्रमिकों का उत्पीड़न यदि उन्होंने बंद नहीं किया तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में महानगर महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष मोनिका ढाली, रुद्रपुर नगर निगम में निवर्तमान पार्षद प्रीति साना,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल शर्मा, कांग्रेस नेता मनोज सिंह,अरविंद सक्सेना सहित बड़ी संख्या में श्रमिक और उनके परिजन उपस्थित थे।

डीपीएस ने चंडी क्रिकेट अकादमी को हराया

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उधम सिंह नगर द्वारा चल रही अंडर 14 क्रिकेट लीग का दुसरा सेमीफाइनल आज छावनी स्पोर्ट्स ग्राउंड में चंडी क्रिकेट अकादमी और डीपीएस क्रिकेट अकादमी रुद्रपुर के बीच खेला गया। चंडी क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया । पहले बल्लेबाजी करने उतरी डीपीएस स्पोर्ट्स अकादमी ने निर्धारित 40 ओवर में 6 विकेट खोकर 216 रन बनाए। डीपीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से नीतीश पचौरी ने शानदार शतक लगाया। नीतीश पचौरी ने 101 व सुजीत यादव ने 67 रनों का योगदान दिया। चंडी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए कार्तिक रावत ने 2 विकेट व वंश वर्धन ने 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंडी क्रिकेट अकादमी की टीम 135 रनों पर

सिमट गई। डीपीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए नीतीश पचौरी व सुजीत यादव ने क्रमशः 3-3 विकेट लिए। इस मैच की अंपायरिंग गुरजीत सिंह व शैलेंद्र कश्यप द्वारा की गई। मैच की स्कोरिंग यशवीर वशिष्ठ द्वारा की गई। इस अवसर पर आशीष कुमार सिंह, तरुण पोपली, डीपीएस कोच रितिक सिंह ,विकास प्रजापति, मोहम्मद नवाज मोहम्मद, कादिर खान, विनय कुमार, शुभम् शर्मा ,नमन ग्रेवाल व अन्य, खेल प्रेमी मौजूद रहे।

ग्राम गाजा बसकन्या में हुए ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। ग्राम गाजा बसकन्या में हुए ब्लाइंड मर्डर केस का पुलिस ने खुलासा करते हुए हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया है। हत्यारोपी ने गुस्से में आकर मृतक के सिर और चेहरे पर पत्थर से कई वार किये और फरार हो गया। डीआईजी और एसएसपी ने खुलासा करने वाली टीम को पुरस्कार की घोषणा की है। बता दें बीते दिनों ग्राम गाजा बसकन्या के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव सड़क पर पड़ा हुआ मिला। शव की शिनाख्त के पश्चात मामले में महेश चन्द्र जोशी पुत्र स्व0 दयाकृष्ण निवासी वेतनधार थाना चौखुटिया जिला अल्मोडा ने अज्ञात के खिलाफ अपने भाई राकेश जोशी की हत्या की तहरीर थाना चौखुटिया में दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला पंजीकृत किया। एसएसपी देवेन्द्र पींचा के नि र्देश पर खुलासे के लिए अलग-अलग 5 टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों ने घटना की गहनता से जांच की। घटना स्थल के आस पास व बाजार क्षेत्र में लगभग 50-60 सीसीटीवी कैमरों का अवलोकन किया गया। सर्विलांस की मदद से जानकारी जुटाई गई।जांच के दौरान लगभग100 लोगों से पूछताछ की गई। हत्या के खुलासे के लिए गठित की गई टीमों के काम की समीक्षा खुद एसएसपी प्रत्येक दिन कर रहे थे। इस बीच अभियुक्त को पकड़े जाने की भनक लग गयी थी,जो घटना के दिन से ही फरार चल रहा था। दिन-रात पुलिस टीमों के प्रयासों के बाद आखिरकार हत्यारोपी खीम सिंह को पूछताछ हेतु थाने लाया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शराब पीने का आदि है,मेहनत मजदूरी कर उससे जो पैसे मिलते है, शराब में उड़ा देता है। एसएसपी ने खुलासा करते हुए बताया कि 23अगस्त 2024 को रात्रि लगभग 11 बजे अभियुक्त खीम सिंह अपने कमरे में पहुंचा तो उसने अपने कमरे का सारा सामान अस्त व्यस्त पडा हुआ देखा। मृतक राकेश जोशी उसके बैड में सो रहा था । जिसे उसने उठने के लिए कहा तो वह गाली गलौच करते हुए मारपीट करने लगा । उसके गाल पर 2 थप्पड मार दिये। जिससे गुस्से मे आकर खीम सिंह बाहर से पत्थर लाकर मृतक राकेश जोशी के सिर व चेहरे पर मारा तो वह उसके कमरे से भागकर सड़क पर चला गया और सिर पकड़कर बीच सडक मे बैठ गया । उसी वक्त खीम सिंह ने उसके चेहरे एवं सिर पर पत्थर से कई वार किये । इस दौरान मृतक राकेश जोशी का मोबाईल वही पर गिर गया था जिसे खीम सिंह ने छिपा दिया था और हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल पत्थर को गौशाला की तरफ फेंक दिया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल पत्थर, वारदात को अंजाम देते वक्त पहनी खून लगी कमीज,मृतक का मोबाईल बरामद भी बरामद कर लिया गया। हत्याकांड का सफल अनावरण करने वाली पुलिस टीम को डीआईजी डॉ योगन्द्र सिंह रावत ने 10,000 रुपये का व एसएसपी अल्मोड़ा ने 5,000 रुपये के नगद ईनाम देने की घोषणा की।

पेज एक का शेष...

कार्यकर्ता भाजपा की ..स्थानीय सांसदों, विधायकों व अन्य जनप्रतिनिधियों को सदस्यता दिलाई जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि वो उत्तराखंड में पहले भाजपा सदस्य के रूप में सदस्यता लेने से खुश हैं। भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और पार्टी ही नहीं भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी भी है। भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी के मूल्य से संचालित होती है। करोड़ों लोगों भाजपा की सदस्यता लेंगे जो पार्टी के सदस्य होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, और सभी कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान दिया जाता है। भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो छोटे से कार्यकर्ता को भी शिखर तक पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि जमीन से जुड़ा कार्यकर्ता अपनी मेहनत से बड़ा से बड़ा मुकाम हासिल कर सकता है। इस दौरान सीएम ने बताया कि दो चरणों में संपन्न होने वाले प्राथमिक सदस्यता अभियान के बाद 16 अक्तूबर से 31 अक्तूबर तक सक्रिय सदस्य बनाए जाएंगे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने बताया कि चार सितंबर से जिलेस्तर पर अभियान आगे बढ़ाने के साथ पहले 15 दिन घर-घर संपर्क किया जाएगा। 10 नवंबर को वर्चुअल रैली संग समाप्त होने वाले इस अभियान में कार्यकर्ताओं के सहयोग के लिए शक्ति केंद्रों पर अल्पकालिक विस्तारकों की नियुक्ति भी की जाएगी। जिलाध्यक्षों द्वारा अपने जिलों में निवास करने वाले सांसद, विधायक, दायित्वधारी, जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, निवर्तमान मेयर एवं पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों को सदस्य बनाया जाएगा। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक बूथ में न्यूनतम 200 प्राथमिक सदस्य बनाए जाएं। 11 से 17 सितंबर तक महाजनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसमें सभी कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि बूथ स्तर पर घर-घर जन संपर्क करेंगे। सदस्यता अभियान का दूसरा चरण एक से 15 अक्तूबर तक समूह विशिष्ट संपर्क आयोजित होंगे। इनमें महिला, युवा, किसान समूहों के अलावा प्रबुद्ध वर्ग, व्यापारी, पूर्व सैनिक, खिलाड़ी, सहकारिता समूह, स्वयंसेवी संस्था एवं स्वयं सहायता समूहों से संपर्क कर उन्हें सदस्य बनाया जाएगा। आने वाले प्रमुख त्योहारों एवं महत्वपूर्ण तिथियों पर विशिष्ट सदस्यता अभियान के आयोजन भी होंगे।

अब पुलिस महकमे पर ..को मीडिया से निरन्तर समन्वय बनाये रखने को कहा। उन्होंने महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर नियंत्रण के लिये गौरा शक्ति एप को और अधिक सक्रिय बनाये जाने पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण, लव जिहाद आदि मामलों में कानून होने के बावजूद इस पर रोक न लगना चिन्ता का विषय है, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने प्रदेश में अपराध कहां बढ रहे हैं और क्यों बढ रहे हैं? इस पर भी चिन्तन की जरूरत बताई तथा डेमोग्राफिक चेंज की समस्या के समाधान के लिये भी संबंधित सभी एजेंसियों के मध्य समन्वय पर ध्यान देने के निर्देश भी उन्होंने दिये।मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड बाहरी प्रदेशों के अपराधियों की शरणगाह न बनें ,इसके लिये सीमावर्ती क्षेत्रों में निरन्तर सघन चेकिंग अभियान संचालित किया जाय। अपराधियों के मन में पुलिस का भय तथा आमजन का पुलिस के प्रति भरोंसा बढे यह सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने किरायेदारों तथा बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन पर भी ध्यान देने के निर्देश देते हुए, मदरसों व अन्य शिक्षण संस्थाओं में पढ रहे बच्चे राज्य के कैसे नागरिक बनाये जा रहे हैं ? इस पर भी ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने हरिद्वार में हुए ज्वैलरी दुकान डकैती के प्रकरण में एसपी सिटी की अध्यक्षता में जांच समिति गठित किये जाने के निर्देश देते हुए कहा ,कि इस प्रकरण में जो भी जिम्मेदार हो,उसके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने उत्तराखण्ड को 2025 तक नशा मुक्त प्रदेश बनाने के लिये भी प्रयासरत रहने तथा सामुदायिक पुलिसिंग पर ध्यान देने पर बल दिया। प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण के लिये क्या बेहतर किया जा सकता है? इस पर भी चिन्तन किये जाने की जरूरत मुख्यमंत्री ने बतायी। शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा अधीनस्थों के साथ अधिकारियों का सरल व्यवहार व क्षेत्रवाद की भावना से दूर रहने पर भी उन्होंने बल दिया। इसके अलावा साइबर क्राईम पर प्रभावी रोकथाम के लिये जन जागरूकता व प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये है। कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री आवास में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी, प्रमुख सचिव आर।के।सुधांशू, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, ए।डी।जी। ए।पी।अंशुमन, आई।जी। के।एस। नगन्याल, विशेष सचिव श्री पराग मधुकर धकाते, श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, अपर सचिव श्रीमती निवेदिता कुकरेती, मौजूद रही तथा पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार सहित आयुक्त कुमांऊ व सभी जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदि ने भी वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में प्रतिभाग किया।

बोरा की गिरफ्तारी...भाजपा सरकार महिलाओं के उत्पीड़न के लिए जिम्मेदार अपराधियों पर तत्काल कार्यवाही करने के बजाय उनको राजनीतिक सरंक्षण दे रही है। किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी ने कहा कि, महिलाओं के प्रति अपराधों और यौन उत्पीड़न के मामलों को धर्म और जाति के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। जबकि भाजपा के राज में इसका ठीक उलट हो रहा है। भाजपा सरकार हर मामले को सांप्रदायिक नजरिए से देखती है और जब भी महिला उत्पीड़न की घटनाओं में भाजपा नेताओं के नाम सामने आते हैं तो कठुवा, हाथरस, बनारस, वनंतरा रिजॉर्ट से लेकर सल्ट और लालकुआं तक हर मामले में भाजपा अपने नेताओं को बचाने में लग जाती है। जब तक जनदबाव नहीं बनता उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं करती। यही भाजपा की चाल, चरित्र, चेहरा और संस्कृति है। प्रदर्शन और पुतला दहन में विमला रौथाण, डा कैलाश पाण्डेय, आनंद सिंह नेगी, निर्मला शाही, अनीता अन्ना, देवकी देवी, प्रेमा देवी, मेहरुन्निशा, ललित मटियाली, आइसा जिलाध्यक्ष धीरज कुमार, पुष्कर सिंह दुबड़िया, आनंद दानू, ललित जोशी, नैन सिंह कोरंगा, कमल जोशी, हरीश भंडारी, स्वरूप सिंह दानू, त्रिलोक राम, आनंद सिंह जग्गी, मोहित, उमेश कुमार आदि शामिल रहे।

पत्रकार पर हमले के मामले ..आई और आरोपी सुनील गंजे को गिरफ्तार कर लिया। इस पूरे प्रकरण में पुलिस और एसओजी के काम पर भी सवाल उठे। ऋषिकेश पुलिस पर सवाल उठे कि यहां शराब तस्करों को शह दी जा रही है। मामले को तूल पकड़ता देख अब एसएसपी अजय सिंह ने ऋषिकेश पुलिस की कार्रवाई की समीक्षा की। इस दौरान पता चला कि पुलिस ने इस साल अब तक 113 तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की, लेकिन एसओजी ने अवैध शराब पर कोई कार्रवाई नहीं की। जिस पर एसओजी देहात को भंग कर दिया गया है। इसके साथ ही सूचना मिली हैं कि अब थाने में तैनात दो दर्जन पुलिसकर्मियों को भी हटाया जा रहा है। वहीं स्थानीय लोगों ने शराब तस्कर सुनील गंजे की संपत्ति को भी ध्वस्त करने की मांग की है।

महिला के गले से ...कॉलोनी से ओम शांति केन्द्र ब्लाक की ओर जा रही थीं। इसी दौरान, कठघरिया की ओर से आ रहे दो बाइक सवार युवकों ने लक्ष्मी मैरिज गार्डन के पास पीछे से धक्का देकर उनकी बहन के गले से 2.5 तोले की सोने की चेन छीन ली और ऊंचापुल की ओर भाग गए। इस घटना के तुरंत बाद, पीड़िता ने अपने परिवार और पुलिस को सूचित किया। पुलिस अब इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके और उन्हें पकड़ा जा सके। यहां बता दें कि शहर में आए दिन अपराधिक घटनाएं घटित हो रही हैं। लेकिन इन घटनाओं की रोकथाम में पुलिस नाकाम साबित हो रही है। पुलिस के अधिकारी अपराध नियंत्रण के लिए बैठकें ले रहे हैं, लेकिन इसमें दिए गए निर्देश धरातल पर नहीं उतर रहे हैं। जिसके चलते अपराधियों के हौंसले बुलंद हैं। अपराध नियंत्रण के नाम पर पुलिस महज वाहन चौकिंग कर राजस्व बढ़ाने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री का निर्देश...के बाद लाख टके का सवाल यह है कि क्या उधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टी सी रुद्रपुर कोतवाल को स्थानीय पत्रकारों के प्रति सहयोगात्मक रवैया अख्तियार करने का निर्देश दे पाएंगे या फिर मुख्यमंत्री का निर्देश पुलिसिया ठसक के चलते यूं ही हवा में उड़ा दिया जाएगा ?

बालिका के अपहरण..युवक को पकड़कर उसकी धुनाई लगा दी और उसे बनभूलपुरा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने पूछताछ की तो उसने अपना नाम नवीन आर्य पुत्र रामलाल निवासी वार्ड नंबर 34 काठगोदाम बताया। बालिका के पिता ने पुलिस को तहरीर सौंप कर कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

सरकारी बैंक खाते से करोड़ों की रकम पार, जांच में जुटी पुलिस

एसएलओ ऊधमसिंहनगर के फर्जी हस्ताक्षर से तीन चैक लगाकर 13 करोड़ 51 लाख रुपये की धनराशि निकाली

रूद्रपुर के इंडसइंड बैंक में कुछ चेक 28 और कुछ 31 अगस्त को लगाए ,पुलिस ने सीसीटीवी की फुटेज खंगाली

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। प्रदेश में लगातार सरकारी खजाने की बंदरबांट और फर्जीवाड़े के मामले बढ़ते जा रहे है। विशेष अध्याप्ति अधिकारी (एसएलओ) के खाते से फर्जी हस्ताक्षरों से चेकों से 13 करोड़ रुपये निकालने का मामला सामने आया है। सोमवार को कलक्ट्रेट स्थित एसएलओ कार्यालय में एनएच 74 के मुआवजे को लेकर एनएचएआई और एसएलओ की ओर से समीक्षा की जा रही थी। जब निजी बैंक में मुआवजे की रकम का सरकारी खाता जांचा गया तो उसमें से करोड़ों रुपयों का अंतर आया था। इससे अधिकारियों में खलबली मच गई। इसकी सूचना डीएम और एसएसपी को दी गई। शाम चार बजे एसएलओ कौस्तुभ मिश्रा, एसपी क्राइम चंद्रशेखर आर घोड़के, एसपी सिटी मनोज कत्याल, एएसपी निहारिका तोमर, एनएच के अधिकारी फोर्स के साथ नैनीताल रोड स्थित इंडसइंड बैंक पहुंच गए। उन्होंने बैंक का शटर गिरकर अधिकारी और कर्मचारियों से अलग-अलग पूछताछ की। टीम ने चेक से जिन खातों में रकम ट्रांसफर की गई, उनकी भी जांच की। करीब पांच घंटे बाद एसएलओ कौस्तुभ मिश्रा ने बताया कि एनएच के खातों का मासिक मिलान होता है। मिलान के दौरान पता चला कि 13 करोड़ रुपये गायब हैं। जब पुलिस और एनएच अधिकारियों के साथ बैंक में आकर जांच की गई तो पता चला कि एसएलओ ऊधमसिंहनगर के फर्जी हस्ताक्षर से तीन अवैध चेकों के माध्यम से 13 करोड़ 51 लाख रुपये की धनराशि निकाली गई थी। इसके अलावा बागपत के एसएलओ के फर्जी हस्ताक्षर से एक अवैध चेक से चार करोड़ 41 लाख रुपये इसी बैंक के जरिए निकाली गई थी। कुछ चेक 28 अगस्त और कुछ 31 अगस्त को लगाए गए हैं। यह एनएच के खाते में सुरक्षित धनराशि है, इससे मुआवजा बांटते हैं। यह एनएच 74 के नाम से पुराने चेकों के माध्यम से भुगतान का मामला है। एसएलओ मिश्रा ने बताया कि जिन तीन चेकों से रुपये निकाले गए हैं, वे तीनों वास्तविक चेक कार्यालय में रखी चेक बुक में सुरक्षित हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चेकों की डुप्लीकेट कापी बनाकर बैंक में भुगतान के लिए लगाया गया है। कहा कि शामली के एसएलओ का फर्जी हस्ताक्षर कर अवैध चेक इस बैंक में लगाने की जांच की जा रही है। सरकारी खाते से करोड़ों रुपये की रकम निकलने से अफसरों के पैरों तले जमीन खिसक गई है। बैंक में घुसते ही पुलिस टीम ने अलग-अलग टास्क पर काम करना शुरू कर दिया। टीमों ने अधिकारी, कर्मचारियों से पूछताछ की तो एक टीम ने 28 अगस्त और 31 अगस्त की फुटेज खंगाली। इस दौरान बैंक में आए ग्राहकों को चिन्हित किया गया है। दो दिन आने वाले ग्राहकों की फुटेज को अलग कर चिन्हित कर उनको तस्दीक करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। एसपी क्राइम चंद्रशेखर आर घोड़के ने बताया कि एसएलओ के खाते से फर्जी तरीके से चेक लगाकर करोड़ों रुपये निकालने का मामला संज्ञान में आते ही जांच शुरू कर दी गई थी। अब तक विभिन्न खातों में गई छह करोड़ की धनराशि को फ्रीज कर दिया गया है। जो रुपया गया है, उसे सुरक्षित कर वापस करने के टास्क पर काम किया जा रहा है। एसएलओ की ओर से दी गई तहरीर पर केस दर्ज कर विस्तृत जांच की जाएगी। एसएलओ ने संबंधित आथोरिटी को अवगत कराया दिया गया है और एसएलओ शामली को भी अगत करा दिया गया है। शामली के बारे में वहीं के एसडीएम अपने क्षेत्र में कार्रवाई करेंगे। अभी सरकारी खाते से निकाले गए पूरे रुपयों को रिकवर करने की कोशिश की जा रही है। जो लोग इसमें शामिल हैं, उनको चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसपी सिटी और एएसपी इस मामले को लगातार मॉनीटरिंग कर रहे हैं। यह साइबर अपराध की श्रेणी में नहीं आता है। इस मामले में बैंक में आकर किसी व्यक्ति ने फर्जी चेक लगाकर मामले को अंजाम दिया गया है। बैंक अधिकारी और कर्मचारियों की भूमिका भी जांच की जा रही है। बैंक में फर्जी चैक लगाकर करोड़ो की रकम पार करने के मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इतनी बड़ी रकम सरकारी खातों से चेकों के माध्यम से भुगतान कर दी गई, लेकिन बैंक अधिकारियों ने इस बारे में एक बार भी एसएलओ दफ्तर से जानकारी करना जरूरी नहीं समझा। एसपी क्राइम चंद्रशेखर आर घोड़के ने बताया कि इसमें प्रथम दृष्ट्र्या बैंक की ओर से लापरवाही दिख रही है।इसमें किसी की जानबूझकर लिप्तता जांच के बाद ही पता चलेगी।

बंगाली समाज के खिलाफ गलत बयानबाजी बर्दाश्त नहीं: साहा

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। बंगाली समाज के विरुद्ध किसी भी तरह की बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। यह समाज उत्तराखंड राज्य का मूल निवासी है। पत्रकारों से बातचीत करते बंगाली महासभा उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार साहा ने कहा कि गत दिनो गैरसैंण में आहूत विधानसभा सत्र के दौरान गढ़वाल मण्डल में विधायक गुन्ना सिंह चौहान द्वारा आरक्षण विषय पर चर्चा के दौरान उत्तराखण्ड राज्य के उधम सिंह नगर में निवासित बंगाली समाज के अस्तत्व पर टीका टिप्पणी करते हुए गलत बयानबाजी की है। जिससे बंगाली समाज आहत है। उनके साथ मौजूद समस्त बंगाली समाज के वरिष्ठजनो ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि इस प्रकार की व्यानबाजी बंगाली समाज कतई बर्दाश्त नही करेगा। श्री साहा ने विधायक चौहान द्वारा दिए गये वक्तव्य को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बंगाली समाज उत्तराखण्ड में ना कोई किरायेदार है और ना ही कोई पर्यटक है, उत्तराखण्ड बंगाली समाज उत्तराखण्ड राज्य का मूल निवासी है। श्री साहा ने कहा कि भारत देश के बंटवारे के समय जनपद उधम सिंह नगर एवं देश के 22 राज्यो में अखण्ड भारत देश के ही पूर्वी बंगाल से विस्थापित होकर आये बंगाली समाज को तत्कालीन सरकारो ने भूमि भवन आबंटित कर बसाया है। बंगाली समाज उत्तराखण्ड राज्य का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि विधायक चौहान की अज्ञानता है, जिन्हे उधम सिंहनगर के बंगाली समाज की भौगोलिक, ऐतेहासिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि का कोई ज्ञान नहीं है। इसी बंगाली समाज ने उत्तराखण्ड राज्य निर्माण में भी अपना विशेष योगदान दिया है। इस उघम सिंह नगर को निर्वासित बंगाली समाज, पंजाबी समाज, सिख्ख समाज, पूर्वांचल समाज देशी समाज, थारू-बुक्सा समाज आदि सभी समाज ने अपने खून पसीने से सींचा है। इसलिए विधायक मुन्ना सिंह चौहान को अपने व्यक्तिगत बयानो में प्रयुक्त किए गये शब्दो को वापिस लेते हुए सार्वजनिक रूप से बंगाली समाज से माफी मांगनी चाहिए। श्री साहा ने कहा कि जहाँ तक बंगाली समाज को आरक्षण दिए जाने का विषय है जिस पर भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, नई दिल्ली ने विगत 14 फरवरी 2024 को उत्तराखण्ड राज्य एवं उत्तर प्रदेश के निवासिंत बंगाली समाज अनुसूचित जाति का पूर्ण दर्जा दिए जाने के आदेश पारित कर भारत सरकार को निर्देशित किया है। उसकी प्रक्रिया गतिमान है, शीघ्र अवश्य उचित निर्णय होगा। इस दौरान पूर्व दर्जा राज्य मंत्री विजय मंडल, प्रदेश मंत्री गोबिंद राय, शिव कुमार राय, संरक्षक हिमांशु सरकार, इकाई अध्यक्ष गणेश सरकार, विशाल शील, किशन विश्वास आदि मौजूद थे।

जिले में कानून व्यवस्था ध्वस्त:कंबोज

गदरपुर (उद संवाददाता)बिगड़ती कानून व्यवस्था और महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचार को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश कंबोज ने अपने निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता कहा कि जिले की कानून व्यवस्था बिल्कुल अस्त-व्यस्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि लगभग दो माह पूर्व गदरपुर निवासी प्रशांत सिंह पर रुद्रपुर में दिनदहाड़े गोली चलाई गई थी उसमें अभी तक कुछ आरोपी नहीं पकड़े गए हैं। उन्होंने कहा जिले के कप्तान खुद प्रशांत सिंह की कमियां ढूंढ रहे हैं। गदरपुर की बेटी नर्स तस्लीम जहां की निर्मम हत्या में भी पीड़ित परिवार को अभी तक न्याय नहीं मिला है और दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि जिले के कप्तान को सोशल मीडिया पर किसी ने धमकी दी उसे पुलिस ने 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया गया तो आखिर दूसरों के लिए कौन सा कानून अपनाती है जिले की पुलिस। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कानून व्यवस्था पटरी पर नहीं आती है तो जल्द ही जिले की पुलिस के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान पत्रकार वार्ता में पूर्व पालिका अध्यक्ष लीलावती, प्रशांत सिंह, ऋषभ कंबोज मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश और गुजरात के रक्तदान वीरों का किया स्वागत

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। देवभूमि भ्रमण पर आए गुजरात और मध्यप्रदेश के दो रक्तदान वीरों का रुद्रपुर में भव्य स्वागत कर उसका हौसला बढ़ाया गया। युवा पंजाब महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है,इससे उन लोगों की जान बचाई जाती है,जो रक्त की कमी के चलते अपनी जान गंवा देते हैं। उन्होंने कहा कि आज मध्यप्रदेश के दयाराम चौहान जो 55 बार रक्तदान कर चुके है,और गुजरात के भूपेंद्र दवे 209 बार रक्तदान करके देवभूमि में भ्रमण पर आए हुए हैं, दोनों का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि दयाराम चौहान कई मरीजों का किडनी प्रत्यारोपण या और भी कई बीमारियों से इलाज करने में भी मदद करते हैं। श्री चुघ ने रुद्रपुर में रक्तदान सेवा में रुद्रपुर में लगे दानवीरों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हरविंदर सिंह लंबे समय से रक्तदान करते आए हैं, उन्होंने कोराना काल में भी लोगों की बहुत सेवा की थी, ऐसे हैं दलजीत सिंह,सेवा क्रांति के माध्यम से रामवीर यादव सहित तमाम ऐसे रक्त वीर है,जो खुद रक्तदान करने के साथ युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करते है। उन्होंने कहा कि युवाओं से आह्वान किया कि सभी ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करें, ताकि जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सके। इस दौरान दलजीत सिंह,जगजीत सिंह गोल्डी, हरविंदर सिंह चुग, रामवीर यादव, अल्का अरोरा, नवनीत शर्मा, ज्ञानेश मिश्र,सुनील सागर, चेतन गंगवार, संस्कार भारती के विमल मेहरा कुशल अग्रवाल रवि अग्रवाल आदि मौजूद थे।